दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-62 सीहोर, बुधवार 22 अप्रैल 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

बापू की बातें

आपकी भूल का और आपके दुख का कारण यह है कि आप अपने को दूसरे भारतीयों से अलग रख रहे हैं। आप मेरी तरह यह क्यों नहीं सोचते कि यदि कोई ईसाई भारतीय या मुसलमान भारतीय अथवा हिंदू भारतीय शराब पीता है या अन्य प्रकार से गिरता है, तो यह आपके लिए उतनी ही शर्म की बात है जितनी मेरे लिए। हम सभी एक ही समाज के अंग हैं। और यदि उसका कोई अंग क्षतिग्रस्त होता है तो मानो सारा समाज क्षतिग्रस्त होता है।

(30.04.1925 : यंग इंडिया में प्रकाशित पी.एन.पी. (त्रिवेंद्रम) को दिए गए जवाब का अंश : सं.गां.वां. खंड 26 : पृष्ठ 562)

सबरीमाला मामले की सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट ने पूछा..देवता छूने से अपवित्र कैसे होते हैं?

-अदालत की टिप्पणी; अयप्पा को नैष्ठिक ब्रह्मचारी बताकर परंपरा का बचाव

नई दिल्ली,(ए.)। सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मंदिर से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने धार्मिक प्रथाओं पर अहम सवाल उठाए। कोर्ट ने पूछा कि किसी मूर्ति को छूने से ईश्वर अपवित्र कैसे हो सकते हैं और क्या केवल जन्म या वंश के आधार पर किसी भक्त को देवता के स्पर्श से वंचित किया जा सकता है। यह मामला सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश और धार्मिक भेदभाव से जुड़ा है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी कहा कि क्या संविधान ऐसे भक्तों के अधिकारों की रक्षा नहीं करेगा, जिन्हें परंपराओं के नाम पर रोका जाता है। मंदिर पक्ष की ओर से पेश अधिवक्ता वी. गिरी ने दलील दी कि किसी भी मंदिर की पूजा-पद्धति उस धर्म का अभिन्न हिस्सा होती है और उसे देवता की विशेषताओं के अनुरूप ही तय किया जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान अयप्पा को 'नैष्ठिक ब्रह्मचारी' माना जाता है, इसलिए मंदिर की परंपराएं भी उसी आधार पर निर्धारित की गई हैं।

सबरीमामला मामले की सुनवाई 9 जजों की संवैधानिक पीठ कर रही है, जिसमें धार्मिक आस्था से जुड़े 66 अन्य मुद्दे भी शामिल हैं। गौरतलब है कि 1991 में केरल हाईकोर्ट ने 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया था। बाद में 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रतिबंध को हटा दिया, जिसके खिलाफ कई पुनर्विचार याचिकाएं दाखिल की गईं।इस मामले की 7 अप्रैल से शुरू हुई सुनवाई में केंद्र सरकार ने भी परंपराओं के पक्ष में दलीलें दीं। सरकार का कहना है कि देश के कई मंदिरों में विशेष परिस्थितियों में पुरुषों के प्रवेश पर भी रोक है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

महिलाओं पर शर्मनाक टिप्पणी कर बुरी तरह फंसे पप्पू यादव, महिला आयोग ने थमाया नोटिस

पटना (ए.)। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव महिलाओं को लेकर दिए गए अपने एक बेहद आपत्तिजनक बयान के कारण बुरी तरह घिर गए हैं। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को लेकर की गई उनकी एक विवादित टिप्पणी ने बड़े राजनीतिक तूफान को जन्म दे दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिहार राज्य महिला आयोग ने कड़ा रुख बयान पर स्पष्टीकरण मांगा है। सांसद पप्पू यादव ने हाल ही में राजनीति में कदम रखने वाली महिलाओं को लेकर एक ऐसी टिप्पणी की थी जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीवा में ब्रह्माकुमारी परिवार के ,पारिवारिक सद्भावना जागृति अभियान के रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

त्रिशूर जिले के मुंडाथिकोड क्षेत्र में पटाखा यूनिट विस्फोट से 13 लोगों की दर्दनाक मौत

त्रिशूर, (ए.)। केरल के त्रिशूर जिले के मुंडाथिकोड क्षेत्र में मंगलवार को दोपहर करीब 3:30 बजे एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए भीषण विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला दिया। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 मजदूरों की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार केरल के प्रसिद्ध त्रिशूर पूरम उत्सव के लिए पटाखों की तैयारी में जुटी इस पटाखा फैक्टरी में हादसे के समय करीब 40 मजदूर मौजूद थे। विस्फोट के बाद कई मजदूर आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। घायलों को तत्काल सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल सहित आसपास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनके इलाज के लिए इमरजेंसी सेवाएं सक्रिय कर दी गईं। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने घायलों के लिए विशेष इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने त्रिशूर सरकारी मेडिकल कॉलेज और त्रिशूर जनरल अस्पताल में सभी जरूरी व्यवस्थाएं करने को कहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धमाका इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। विस्फोट के तुरंत बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही मिनटों में आग की ऊंची लपटों और घने धुएं ने पूरे परिसर को अपनी गिरफ्त में ले लिया। राहत और बचाव कार्य के दौरान भी बीच-बीच में छोटे धमाके होते रहे।

पश्चिम बंगाल-तमिलनाडु में थमा चुनाव प्रचार, 23 अप्रैल को मतदान, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

नई दिल्ली, (आरएनएस)। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से 48 घंटे पहले मंगलवार शाम को चुनाव प्रचार थम गया। पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 152 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होनी है, जबकि तमिलनाडु में सभी 234 सीटों के लिए मतदान होने हैं। इसको लेकर चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। यहां तक कि सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। चुनाव प्रचार थमने से पहले दोनों राज्यों में शीर्ष नेताओं और उम्मीदवारों ने समर्थकों को आकर्षित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वहीं, चुनाव प्रचार थमने के बाद अब कोई भी राजनीतिक दल अपने उम्मीदवार के समर्थन में जनसभा या रैली नहीं कर सकेगा। पहले बात करते हैं पश्चिम बंगाल की तो यहां इस बार दो चरणों में चुनाव संपन्न कराया जाना है। पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान होना है। इस चरण में कुल 1,478 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वहीं, तीन करोड़ 60 लाख 77 हजार 171 मतदाता उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। इन मतदाताओं में एक करोड़ 75 लाख 77 हजार 210 महिलाएं अपने मत का इस्तेमाल करेंगी। आरक्षण को लेकर बने माहौल के बीच इस बार पश्चिम बंगाल में महिलाओं की भूमिका काफी अहम मानी जा रही है। बंगाल में पहले चरण में जहां मतदान होने हैं, उनमें उत्तर बंगाल के आठ, दक्षिण बंगाल के तीन व जंगलमहल अंचल के पांच जिले शामिल हैं।

मप्र के बड़वानी में टैंकर की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त, 5 युवकों की मौत

भोपाल/बड़वानी, (ए.)। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में मंगलवार दोपहर हुए सड़क हादसे में एक तेज रफ्तार टैंकर ने सामने से आ रही कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार युवक अंदर ही फंस गए। इस हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैंयह दुर्घटना जुलवानिया टोल प्लाजा के पास दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। बताया गया हे कि सभी युवक एक बारात से लौट रहे थे। रास्ते में एक वाहन का डीजल खत्म हो जाने पर कुछ युवक दूसरी कार से डीजल लेने निकले थे, तभी खरगोन की ओर से आ रहे तेज रफ्तार टैंकर ने उनकी कार को टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही जुलवानिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों और मृतकों को कार से बाहर निकालने के लिए करीब एक घंटे तक मशक्कत की। हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान दो और युवकों ने दम तोड़ दिया।

जनता और सरकार के बीच मजबूत कड़ी हैं सिविल सेवक : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सिविल सेवा दिवस के मौके पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सभी सिविल सेवकों को दिल से शुभकामनाएं दी हैं और उनके काम की सराहना की है। उन्होंने कहा कि सिविल सेवक ही वो मजबूत कड़ी हैं जो सरकार और जनता के बीच भरोसा बनाते हैं और देश के विकास को आगे बढ़ाते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा, सिविल सेवा दिवस के अवसर पर सभी सिविल सेवकों को हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी प्रतिबद्धता उत्तरदायी शासन को सुदृढ़ करने और सार्वजनिक संस्थाओं को मजबूत बनाने का कार्य निरंतर कर रही है। अभिनव, भविष्योन्मुखी और नागरिक-केंद्रित नीतियों के निर्माण से लेकर जमीनी स्तर पर उनके प्रभावी कार्यान्वयन तक, आपका कार्य लाखों लोगों के जीवन की गुणवत्ता पर गहरा प्रभाव डालता है। उन्होंने आगे कहा, जैसे-जैसे भारत नई आकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ रहा है, आपकी सत्यनिष्ठा और संवेदनशीलता, कमियों को दूर करने, समावेशिता को बढ़ावा देने और राज्य तथा उसके नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मध्य प्रदेश में तेज गर्मी का सितम जारी, कई शहरों में दिन का पारा 42 डिग्री से ऊपर, अब राते भी होंगी गर्म

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में इस सीजन पहली बार 'वॉर्म नाइट' की स्थिति बन रही है, जिससे दिन के साथ-साथ रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। मंगलवार रात भोपाल सहित 9 शहरों में तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है, यानी रात भी गर्म महसूस होगी। वहीं डिंडौरी जिले में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। कई शहरों में दिन का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है।मौसम विभाग ने जिन 9 शहरों में मंगलवार रात 'वॉर्म नाइट' का अलर्ट जारी हुआ है, उनमें भोपाल, सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। इससे पहले रविवार और सोमवार की रात भोपाल, छिंदवाड़ा, मंडला और नर्मदापुरम में भी गर्म रात दर्ज की गई थी। मौसम विभाग के अनुसार 'वॉर्म नाइट' तब होती है, जब रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस अधिक हो और दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री या उससे ज्यादा दर्ज किया जाए। यदि रात का तापमान सामान्य से 6.4 डिग्री से अधिक बढ़ जाए, तो उसे 'सीवियर वॉर्म नाइट' कहा जाता है। फिलहाल प्रदेश में ऐसी गंभीर स्थिति नहीं बनी है। बीते सोमवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी रही। छतरपुर के खजुराहो में सबसे ज्यादा 43 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा दतिया में 42.3 डिग्री, रतलाम और सीधी में 42.2 डिग्री, रीवा और श्योपुर में 42 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। रायसेन में 41.6 डिग्री, नौगांव में 41.5 डिग्री और नरसिंहपुर में 41.4 डिग्री तापमान रहा। बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 42.5 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 39.8 डिग्री, इंदौर और उज्जैन में 39.5 डिग्री, जबकि जबलपुर में 38.5 डिग्री तापमान रहा।मौसम में बदलाव के चलते कई इलाकों में बादल और हल्की बारिश भी देखने को मिली। रविवार और सोमवार को खरगोन, इंदौर, सीहोर, सागर, अशोकनगर, आगर-मालवा, नर्मदापुरम, गुना, सतना, मुरैना, हरदा, खंडवा, बड़वानी, उज्जैन और बैतूल में कहीं-कहीं बारिश और गरज-चमक हुई। भोपाल में भी सुबह देर से धूप निकली। मौसम विभाग ने बताया कि पिछले तीन दिनों से प्रदेश के पूर्वी हिस्से में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ सक्रिय है।

चुनावी हलफनामे में 100 करोड़ का झोल, मद्रास हाई कोर्ट के रडार पर विजय; इनकम टैक्स को जांच के आदेश

नई दिल्ली (आरएनएस)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत कर रहे मशहूर एक्टर विजय शुरुआत में ही बड़ी मुश्किलों में घिरते नजर आ रहे हैं। मद्रास हाई कोर्ट ने उनकी नवगठित पार्टी 'तमिलगा वेट्री कजगम' के प्रमुख विजय के चुनावी हलफनामे में 100 करोड़ रुपये से अधिक की भारी गड़बड़ी पकड़ी है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने सीधे इनकम टैक्स विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। पहली बार चुनावी मैदान में उतरी विजय की पार्टी के लिए इसे एक बहुत बड़ा राजनीतिक और कानूनी झटका माना जा रहा है। दरअसल, एक्टर विजय ने तमिलनाडु चुनाव के लिए दो अलग-अलग विधानसभा सीटों, त्रिची और पेरम्बूर से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। विवाद तब शुरू हुआ जब पेरम्बूर के एक स्थानीय मतदाता ने अदालत का दरवाजा खटखटाते हुए आरोप लगाया कि विजय द्वारा दोनों सीटों पर दिए गए हलफनामों में उनकी आय के आंकड़े मेल नहीं खा रहे हैं। जांच में सामने आया कि त्रिची सीट के लिए दाखिल कागजातों में विजय ने अपनी आय 220 करोड़ रुपये दिखाई थी, जबकि पेरम्बूर सीट के हलफनामे में यह आंकड़ा मात्र 115 करोड़ रुपये दर्शाया गया था।

भूमि अधिग्रहण में देरी पर कलेक्टर सख्त, अधिकारियों को लगाई फटकार

जल गंगा संवर्धन अभियान में धीमी प्रगति पर कलेक्टर नाराज, कार्य में तेजी लाने के निर्देश

ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने पर कलेक्टर का जोर, सभी विभागों को दिए निर्देश

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। टीएल बैठक के दौरान नेशनल हाईवे एवं रेलवे परियोजनाओं के तहत भूमि अधिग्रहण और मुआवजा वितरण कार्य में हो रही देरी को लेकर कलेक्टर बालागुरू के. ने सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लापरवाही पर जमकर फटकार लगाई और निर्देश दिए कि इस कार्य को शीघ्र पूरा किया जाये। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि परियोजनाओं में देरी से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष रहे प्रकरणों में मुआवजा वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए तथा प्रभावित किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर बालागुरू के. ने चेतावनी दी कि यदि कार्य में अनावश्यक विलंब जारी रहा तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध वरिष्ठ कार्यालयों को प्रतिवेदन भेजा जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर बालागुरू के. ने शासन की मंशा के अनुरूप ई-ऑफिस प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करने पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कहा कि आगामी समय में सभी कार्यालयों को पेपरलेस बनाया जाना है, इसलिए सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी ई-ऑफिस प्रणाली पर कार्य करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता और गति लाने के लिए डिजिटल प्रणाली को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने जिला सूचना अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली का प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि सभी विभागों में इसका सुचारू उपयोग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक विभाग अपने स्तर पर ई-ऑफिस के उपयोग की नियमित मॉनिटरिंग करें और किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे कार्य प्रभावित न हो। बैठक के दौरान कलेक्टर बालागुरू के. ने विभागवार एवं जनपदवार जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अभियान को गति देने तथा अधिक से अधिक गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जल संरक्षण एवं संवर्धन शासन की प्राथमिकता में शामिल है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करें।

यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते भोपाल की 10 ट्रेनों में लगेंगे थर्ड एसी इकोनॉमी कोच

– कम किराए में सफर करेंगे यात्री, जून से मिलेगी सुविधा

भोपाल (ए)। यात्रियों की बढ़ती संख्या और किफायती एसी यात्रा की मांग को देखते हुए रेलवे ने भोपाल मंडल से संचालित 10 प्रमुख ट्रेनों में कोच व्यवस्था में अहम बदलाव किया है। अब इन ट्रेनों में एक एसी-3 टियर कोच की जगह थर्ड एसी इकोनॉमी कोच जोड़ा जाएगा, जिससे यात्रियों को कम किराए में एसी यात्रा की सुविधा मिल सकेगी। रेलवे के अनुसार, यह बदलाव चरणबद्ध तरीके से जून से लागू होगा। रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस (12185/12186) में यह सुविधा 15 और 16 जून से शुरू होगी। इसी तरह रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस (12155/12156) में 17 और 20 जून से बदलाव लागू होगा। भोपाल-सिंगरौली (22165/22166), भोपाल-चोपन (11633/11634) और भोपाल-धनबाद (11631/11632) एक्सप्रेस ट्रेनों में भी 20 से 24 जून के बीच अलग-अलग तिथियों से यह सुविधा शुरू की जाएगी।

रेलवे का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य अधिक से अधिक यात्रियों को सस्ती और आरामदायक एसी यात्रा उपलब्ध कराना है। थर्ड एसी इकोनॉमी कोच में सामान्य एसी-3 टियर की तुलना में अधिक बर्थ होती हैं, जिससे ज्यादा यात्रियों को कन्फर्म सीट मिल सकेगी।

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने नरेला क्षेत्र के संबंध में नगर निगम अधिकारियों की बैठक ली।

एसडीओपी के खिलाफ भाजपा विधायक की टिप्पणी से आईपीएस एसोसिएशन नाराज – पत्र लिखकर की सख्त कार्यवाई की मांग

भोपाल (ए.)। एमपी के शिवपुरी के पिछोर से भाजपा विधायक प्रीतम सिंह लोधी के बेटे द्वारा किये गये सड़क हादसे के बाद पुलिस कार्यवाही को लेकर एसडीओपी डॉ. आयुष जाखड़ के खिलाफ विधायक प्रीतम लोधी द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर आईपीएस एसोसिएशन ने कड़ी नाराजगी जताई है। विधायक ने कई बातें करते हुए यह भी कहा था, की 'करैरा तेरे डैडी का नहीं है एसडीओपी'। इसे लेकर एसोसिएशन ने सख्त कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार एडीजी स्तर के अधिकारी चंचल शेखर ने पत्र में लिखा कि अधिकारी के खिलाफ टिप्पणी की गई। परिवार को लेकर भी आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। विधायक के व्यवहार की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। इस तरह की भाषा और व्यवहार लोकतांत्रिक व्यवस्था की मर्यादा के खिलाफ है। एसोसिएशन का कहना है कि ऐसे बयानों से पुलिस अधिकारियों की निष्पक्षता और मनोबल पर असर पड़ता है, जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली प्रभावित होती है।

विधायक प्रीतम लोधी के बयान पर बवाल,आईपीएस एसोसिएशन ने की सख्त कार्रवाई की मांग

भोपाल/शिवपुरी, (निप्र.)। मध्य प्रदेश में शिवपुरी जिले की पिछोर विधानसभा से भाजपा विधायक प्रीतम सिंह लोधी के विवादित बयान ने तूल पकड़ लिया है। करैरा के एसडीओपी डॉ. आयुष जाखड़ को लेकर की गई टिप्पणी के बाद मप्र आईपीएस एसोसिएशन ने कड़ा रुख अपनाते हुए विधायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।आईपीएस एसोसिएशन की ओर से एडीजी स्तर के अधिकारी चंचल शेखर द्वारा मंगलवार को जारी प्रेस नोट में विधायक की टिप्पणी को अभद्र, अमर्यादित और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ बताया गया है। एसोसिएशन ने कहा कि अधिकारी के साथ-साथ उनके परिवार को लेकर भी आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया, जो निंदनीय है। एसोसिएशन के अनुसार, इस तरह के बयान पुलिस अधिकारियों के मनोबल और निष्पक्ष कार्यप्रणाली को प्रभावित करते हैं। जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सार्वजनिक जीवन में संयमित भाषा का उपयोग करें।

सिस्टम से नाराज भाजपा पार्षद ने खुद तगारी उठाकर साफ किया कचरा

भोपाल के वार्ड-48 में अफसरों की अनदेखी पर फूटा गुस्सा

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में नगर निगम की व्यवस्था से नाराज होकर भाजपा पार्षद अरविंद वर्मा ने मंगलवार को खुद ही सफाई का जिम्मा संभाल लिया। वार्ड-48 के पार्षद वर्मा तगारी उठाकर सड़क पर उतरे और जमा कचरे को साफ कर निगम की गाड़ी में डाला। उनका कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया, जिससे उन्हें खुद यह कदम उठाना पड़ा। पार्षद वर्मा के अनुसार, शाहपुरा स्थित अजय नगर इलाके में सोमवार रात एक शादी समारोह के बाद भारी मात्रा में कचरा फैला हुआ था। इसे उठाने के लिए उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी भावना पटेरिया और सफाई दरोगा शेख उवैस को सुबह से कई बार कॉल किए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मंगलवार दोपहर तक कचरा जस का तस पड़ा रहा, जिससे राहगीरों को आने-जाने में दिक्कत हो रही थी। स्थिति से नाराज पार्षद ने खुद ही तगारी उठाई और सफाई शुरू कर दी। इसी दौरान नगर निगम की कचरा गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक पार्षद खुद कचरा इकट्ठा कर चुके थे। उन्होंने ही कचरा उठाकर गाड़ी में डाला। इस पूरे घटनाक्रम ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वैश्विक पहचान बना रहा संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क : मंत्री श्री टेटवाल

युवाओं को रोजगार से जोड़ने में मध्यप्रदेश का सशक्त स्किलिंग इको सिस्टम बना मिसाल

भोपाल (ए.)। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में मध्यप्रदेश के कौशल विकास मॉडल की व्यापक और प्रभावी प्रस्तुति उस समय देखने को मिली, जब फिलीपींस की तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास प्राधिकरण के 24 सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान का विस्तृत भ्रमण कर इसकी कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण व्यवस्था और उद्योग-आधारित दृष्टिकोण को गहराई से समझा। यह दौरा प्रदेश में विकसित हो रहे कौशल तंत्र की वैश्विक स्वीकार्यता और बढ़ती विश्वसनीयता का स्पष्ट संकेत बना। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य युवाओं को ऐसी आधुनिक और रोजगारोन्मुखी कौशल से जोड़ना है, जिससे वे सीधे रोजगार प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क देश का पहला पूर्णत: संचालित बहु-कौशल प्रशिक्षण केंद्र है, जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। मंत्री श्री

टेटवाल एवं प्रतिनिधि मण्डल के बीच स्मृति चिन्हों का आदान-प्रदान हुआ। मंत्री गौतम टेटवाल ने कहा कि यह संस्थान आज एशिया स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है और विभिन्न देशों के प्रतिनिधि यहाँ आकर इसकी कार्यप्रणाली को समझ रहे हैं तथा अपने देशों में इस प्रकार के संस्थान स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यहाँ प्रशिक्षित युवा देश और विदेश में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं, जो इस मॉडल की प्रभावशीलता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में 1200 क्षमता वाले छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है तथा बढ़ती मांग को देखते हुए समान क्षमता के नए छात्रावास का विस्तार किया जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत संत शिरोमणि रविदास जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने से हुई, जिसके बाद प्रतिनिधिमण्डल एवं संस्थान के कोर्स हेड एवं प्रिंसिपल हेड द्वारा एक-दूसरे को पद और भूमिका का परिचय दिया गया। सीईओ गिरीश शर्मा द्वारा संस्थान की उपलब्धियों और संरचना के संबंध में जानकारी दी गयी। प्रतिनिधि मण्डल को ऑडियो-विजुअल के माध्यम से संस्थान की विकास यात्रा और उपलब्धियों से अवगत कराया गया। प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्य परिसर एवं सिटी परिसर की विभिन्न अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, ऑडिटोरियम, मीडिया कक्ष, पुस्तकालय और जीवन कौशल क्लब का भ्रमण किया गया। प्रतिनिधियों ने लाइव प्रदर्शन देखे और विद्यार्थियों से संवाद करते हुए प्रशिक्षण की व्यावहारिकता एवं गुणवत्ता की सराहना की।

धार के डायल-112 हीरोज

नहर किनारे परित्यक्त अवस्था में मिले नवजात शिशु को सुरक्षित अस्पताल पहुँचाया

भोपाल (ए.)। जिले के थाना धामनोद क्षेत्र में डायल-112 जवानों की संवेदनशील एवं मानवीय कार्रवाई से नहर के पास परित्यक्त अवस्था में मिले नवजात शिशु को सुरक्षित संरक्षण में लेकर तत्काल अस्पताल पहुँचाया गया। समय पर किए गए इस प्रयास से शिशु को उपचार उपलब्ध हो सका।21 अप्रैल को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना धामनोद क्षेत्र अंतर्गत पलाश चिक्त्यावर गाँव के पास नहर किनारे एक नवजात शिशु परित्यक्त अवस्था में मिला है, जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति छोड़कर चला गया है। तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही धामनोद थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुँचकर डायल-112 स्टाफ आरक्षक वीरेन्द्र एवं पायलट महेश मालीवाल ने नवजात शिशु को सुरक्षित संरक्षण में लेकर एफआरव्ही वाहन से तत्काल शासकीय चिकित्सालय, धामनोद पहुँचाया।

ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस स्टॉफ अर्जुन कारले एवं आउटसोर्स कर्मी शिवपाल निकुम पुरस्कृत

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी छैगांव में पदस्थ ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस स्टॉफ अर्जुन कारले एवं आउटसोर्स कर्मी शिवपाल निकुम को उनके उत्कृष्ट एवं असाधारण कार्य के लिए मुख्यालय जबलपुर में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। दीपावली के दिन 220 केवी छैगांव-खंडवा सर्किट क्रमांक-2 में अचानक ब्रेकडाउन हो गया था, जिसके कारण त्यौहार के अवसर पर खंडवा की विद्युत आपूर्ति बाधित होने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए लाइन स्टॉफ अर्जुन कालरे एवं आउटसोर्स कर्मी शिवपाल निकुम ने तत्परता और दक्षता का परिचय देते हुए फेल हुई डिस्क इंसुलेटर को मात्र 1 घंटे 26 मिनट में बदलकर ब्रेकडाउन को शीघ्रता से दुरुस्त किया। दोनों के द्वारा जिम्मेदारी पूर्वक की गई कार्रवाई से लाइन को न्यूनतम संभव समय में पुन: ऊर्जीकृत किया जा सका और खंडवा क्षेत्र में दीपावली के दौरान विद्युत आपूर्ति निर्बाध बनी रही।

प्रयागराज स्टेशन पर कार्य के कारण भोपाल मंडल की कुछ ट्रेन प्रभावित

ब्लाक अवधि के दौरान मार्गपरिवर्तित ट्रेनों के प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर 2 मिनट का अस्थाई ठहराव

भोपाल (निप्र)। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज स्टेशन पर यार्ड रिमोडलिंग कार्य के कारण भोपाल मंडल होकर संचालित ट्रेने दोनों दिशाओं में अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान करने वाली तिथि को वर्तमान मार्ग प्रयागराज (R) स्टेशन की बजाय प्रयागराज छिवकी होकर चलाने का निर्णय लिया गया है, साथ ही निर्धारित तिथि को ब्लाक अवधि के दौरान मार्गपरिवर्तित ट्रेनों के प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर 2 मिनट का अस्थाई ठहराव प्रदान किया गया है जिसका विवरण इस प्रकार है-

1.गाड़ी संख्या 15560 अहमदाबाद -दरभंगा एक्सप्रेस, दिनांक 24.04.26, 2.गाड़ी संख्या 15559 दरभंगा -अहमदाबाद एक्सप्रेस, दिनांक 29.04.26, 3. गाड़ी संख्या 15018 गोरखपुर -लोकमान्यतिलक एक्सप्रेस, दिनांक 25.04.26 से 30.04.26, 4. गाड़ी संख्या 15017 लोकमान्य तिलक-गोरखपुर एक्सप्रेस, दिनांक 24.04.26 से 29.04.26, 5. गाड़ी संख्या 15267 रक्सौल-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस, दिनांक 25.04.26, 6. गाड़ी संख्या 15268 लोकमान्य तिलक-रक्सौल एक्सप्रेस, दिनांक 27.04.26, 7. गाड़ी संख्या 11033 पुणे-दरभंगा एक्सप्रेस, दिनांक 29.04.26, 8.गाड़ी संख्या 11034 दरभंगा-पुणे एक्सप्रेस, दिनांक 24.04.26, 9.गाड़ी संख्या 01025 दादर-बलिया स्पेशल, दिनांक 24.04.26 से 29.04.26, 10.गाड़ी संख्या 01027 दादर-गोरखपुर स्पेशल, दिनांक 24.04.26 से 29.04.26, 11. गाड़ी संख्या 01026 बलिया-दादर स्पेशल, दिनांक 25.04.26 से 30.04.26, 12. गाड़ी संख्या 01028 गोरखपुर-दादर स्पेशल, दिनांक 25.04.26 से 30.04.26, 13.गाड़ी संख्या 22131 पुणे-बनारस एक्सप्रेस, दिनांक 27.04.26, 14. गाड़ी संख्या 22132 बनारस-पुणे एक्सप्रेस, दिनांक 29.04.26, 15. गाड़ी संख्या 11060 छपरा-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस, दिनांक 30.04.26, 16.गाड़ी संख्या 18609 रांची-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस, दिनांक 29.04.26,17. गाड़ी संख्या 18610 लोकमान्य तिलक-रांची एक्सप्रेस, दिनांक 24.04.26, 18. गाड़ी संख्या 19421 अहमदाबाद-पटना एक्सप्रेस, दिनांक 26.04.26, 19.गाड़ी संख्या 19422 पटना-अहमदाबाद एक्सप्रेस, दिनांक 28.04.26, 20. गाड़ी संख्या 11072 बलिया-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस, दिनांक 30.04.26 को अपने वर्तमान मार्ग जंघई-प्रयाग-प्रयागराज-मानिकपुर-कटनी मुडवारा-बीना की बजाय जंघई-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-बीमसेन-वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी-बीना होकर संचालित होगी। यात्रीगण कृपया असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस /139, रेल मदद से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

मध्य प्रदेश विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र 27 अप्रैल को,'नारी शक्ति वंदन' पर होगी चर्चा,अधिसूचना जारी

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र 27 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। राज्यपाल ने अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस विशेष सत्र को आमंत्रित किया है। विधानसभा सचिवालय ने मंगलवार को इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। इस विशेष सत्र में 'नारी शक्ति वंदन' से जुड़े मुद्दों, महिला आरक्षण और नारी सशक्तिकरण पर विस्तृत चर्चा होगी। नारीशक्ति वंदन अधिनयम पर यह एक दिवसीय सत्र बुलाया गया है। इसमें सभी सदस्यों को उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया गया है। सभी विधायक इस दिन राजधानी भोपाल में जुटेंगे। सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस होने के आसार हैं। यह भी संभावना जताई जा रही है कि सरकार महिला आरक्षण विधेयक को लेकर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव ला सकती है। इससे पहले डॉ. मोहन यादव ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विशेष सत्र बुलाने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि महिलाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण विषय पर विधानसभा में गंभीर और व्यापक चर्चा की जाएगी।

दानापुर मंडल में कार्य के चलते भोपाल मंडल होकर संचालित चार ट्रेनों के मार्ग परिवर्तन

भोपाल (निप्र)। रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल में नान इंटरलाकिंग के चलते भोपाल मंडल होकर संचालित चार ट्रेने के मार्ग परिवर्तित किये जा रहे है। जिसका विवरण इस प्रकार है-

मार्ग परिवर्तन वाली ट्रेने

1. गाडी संख्या गाड़ी संख्या 19321इंदौर-पटना एक्सप्रेस दिनांक 25.04.26 (यात्रा आरम्भ तिथि) को परिवर्तित मार्ग पं दीन दयाल उपाध्याय-गया-जहानाबाद-पटना होकर संचालित की जाएगी। 2. गाडी संख्या गाड़ी संख्या 13424 अजमेर-भागलपुर एक्सप्रेस दिनांक 25.04.26 (यात्रा आरम्भ तिथि) को परिवर्तित मार्ग पं दीन दयाल उपाध्याय-गया-जहानाबाद-पटना होकर संचालित की जाएगी। 3. गाडी संख्या गाड़ी संख्या 15945 लोकमान्य तिलक-दरभंगा एक्सप्रेस दिनांक 25.04.26 (यात्रा आरम्भ तिथि) को परिवर्तित मार्ग पं दीन दयाल उपाध्याय-गया-जहानाबाद-पटना होकर संचालित की जाएगी। इस दौरान यह गाडी दिलदारनगर, बक्सर, डुमराव, आरा तथा दानापुर स्टेशन पर नहीं जाएगी। 4. गाडी संख्या गाड़ी संख्या सूरत-भागलपुर एक्सप्रेस दिनांक 25.04.26 (यात्रा आरम्भ तिथि) को परिवर्तित मार्ग पं दीन दयाल उपाध्याय-गया-जहानाबाद-पटना होकर संचालित की जाएगी। इस दौरान यह गाडी दिलदारनगर, बक्सर, आरा तथा दानापुर स्टेशन पर नहीं जाएगी। यात्रीगण कृपया असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस /139, रेल मदद से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

लैंसकार्ट में ड्रेस कोड का विवाद, भोपाल में शोरूम के बाहर हिंदू संगठन ने किया प्रदर्शन

कर्मचारियों को तिलक लगाया, कलावा बांधा

भोपाल (ए.)। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक कथित पॉलिसी डॉक्यूमेंट से लेंसकार्ट शोरूम के खिलाफ शुरू हुआ आक्रोश लगातार फैलता जा रहा है। इसी कड़ी में राजधानी के न्यू मार्केट रोशनपुरा में ड्रेस कोड के खिलाफ हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कर्मचारियों को तिलक लगाने के साथ ही कलावा बांधा। प्रदर्शन कर रहे हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि संगठन लेंसकार्ट के बहिष्कार का आह्वान कर रहा है। यह हिंदुस्तान है, यहां तिलक, कलावा और बिंदी का सम्मान होना चाहिए। अगर कंपनी ने इन पर रोक लगाने की कोशिश की, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कॉरपोरेट कंपनियों से कहा- सनातन धर्म के प्रतीकों का अपमान हुआ, तो सख्त विरोध किया जाएगा। भले ही कंपनी के सीईओ पीयूष बंसल ने माफी मांगी हो, लेकिन संगठन इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं है। वहीं मध्य प्रदेश संत समिति के अध्यक्ष महाराज अनिल आनंद ने कहा कि कथित गाइडलाइन में महिलाओं को सिंदूर और कलावा पहनकर आने से रोकने की बात कही गई है, जो स्वीकार्य नहीं है। उनके मुताबिक किसी भी कंपनी को धार्मिक प्रतीकों पर रोक लगाने का अधिकार नहीं है। वहीं प्रदर्शन के बीच कई शोरूम कर्मचारियो ने बताया की उन्हें कभी तिलक या कलावा पहनकर आने से नहीं रोका गया।

छत के नेट से टीम इंडिया की कैप तक का सफर

भोपाल (ए.)। कहते हैं कि जब अटूट संकल्प और सही मार्गदर्शन से प्रतिभा हासिल होती है, तो इतिहास रचा जाता है। ग्वालियर की गलियों से निकलकर दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान तक का सफर तय करने वाली अनुष्का शर्मा की कहानी आज देश की हर उस बेटी के लिए मिसाल है, जो अपनी आंखों में बड़े सपने संजोती है अनुष्का की सफलता के सफर में एक अविस्मरणीय और गौरवशाली पल तब जुड़ा जब दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर टी-20 सीरीज खेलने जा रही भारतीय महिला टीम में उनके चयन की घोषणा हुई। संयोगवश उसी दिन ग्वालियर प्रवास पर आए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर एयरपोर्ट पर अनुष्का और उनके पिता श्री बृजमोहन शर्मा का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने अनुष्का का मुँह मीठा कराया और स्नेहिल बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप मध्यप्रदेश और देश का नाम रोशन कर अन्य बालिकाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनें। मुख्यमंत्री के ये शब्द उस समय हकीकत में बदल गए जब अनुष्का ने दक्षिण अफ्रीका की धरती पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैदान में कदम रखा। प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को समर्पित नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी पावन पखवाड़े के दौरान अनुष्का ने मध्यप्रदेश का मान पूरे विश्व में बढ़ा दिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज के पहले ही मुकाबले में उन्हें भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया।

मांगलिया डिपो के पास भीषण आग, लाखों लीटर पेट्रोल-डीजल होने से पूरे क्षेत्र में अलर्ट

इंदौर (ए.)। इंदौर के मांगलिया तेल डिपो के सामने सात्विक विहार क्षेत्र में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई है। लाखों लीटर पेट्रोल डीजल की मौजूदगी के कारण पूरे इलाके को खाली कराकर ट्रैफिक रोक दिया गया है।

इंदौर के मांगलिया स्थित तेल डिपो के ठीक सामने आज भीषण आगजनी की घटना हुई। सात्विक विहार के सामने लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग इतनी भयानक है कि इसकी लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही हैं और इसने आसपास की दुकानों और घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया है।

मांगलिया डिपो क्षेत्र में हजारों लीटर पेट्रोल और डीजल का भंडारण रहता है, जिसके कारण प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीमें बेहद सतर्कता बरत रही हैं। आग लगने के बाद पिछले एक घंटे से दमकल विभाग की टीमें लगातार आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही हैं। सुरक्षा की दृष्टि से डिपो के आसपास के सभी रास्तों को बंद कर दिया गया है।

यातायात बाधित, टैंकरों पर रोक

घटना के कारण मुख्य मार्ग पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है।

प्रशासन ने तेल से भरे उन टैंकरों को भी डिपो के बाहर ही रोक दिया है, जो अंदर जाने या बाहर निकलने वाले थे। टैंकरों की लंबी कतार लगने और आग के फैलाव को देखते हुए क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

आसपास के रहवासी क्षेत्र को कराया गया खाली

आग की तीव्रता और डिपो की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने तत्काल कदम उठाते हुए आसपास के घरों में रहने वाले लोगों को बाहर निकाल लिया है। सभी रहवासियों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

नीमच में छेड़छाड़ करने वाले का 'हुलिया' बिगड़ाः आरोपी को पेड़ से बांधकर काटी मूछें-भौहे, पहनाई जूतों की माला

नीमच(ए.)। मध्य प्रदेश के नीमच जिले से एक बेहद शर्मनाक और खौफनाक मामला सामने आया है। मांगरोल चक गांव में एक विधवा महिला से छेड़छाड़ करना मनचले मदन बंजारा को भारी पड़ गया। पीड़िता और उसके बेटे ने न सिर्फ आरोपी की हिम्मत का जवाब दिया, बल्कि उसे पेड़ से बांधकर ऐसी सजा दी कि गांव में हड़कंप मच गया। अब आरोपी के परिजन पीड़िता को गांव से भगाने की धमकी दे रहे हैं।

नशे में धुत होकर घर में घुसा था मदन

मिली जानकारी के अनुसार, 16 अप्रैल 2026 की रात मदन पिता अमर सिंह बंजारा नशे में धुत होकर गांव की एक विधवा महिला के घर में घुस गया। महिला उस वक्त सो रही थी। मदन ने महिला का हाथ पकड़ा और उसे जबरन ले जाने की कोशिश की। महिला की चीख सुनकर बेटा जाग गया।

18 करोड़ के शिक्षा घोटाले के बाद अब सहकारी संस्था में चार करोड़ का गबन, तीन पर एफआईआर

अलीराजपुर (ए.)। मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा में सरकारी धन के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अभी 18 करोड़ रुपये के शिक्षा विभाग घोटाले की गूंज शांत भी नहीं हुई थी कि अब आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था में एक और बड़ा वित्तीय गबन सामने आया है। रविवार देर शाम पुलिस ने इस मामले में संस्था के तीन तत्कालीन अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ करीब 4 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

सागर कलेक्ट्रेट में हड़कंपः जनसुनवाई में महिला ने खुद पर छिड़का पेट्रोल, ससुराल वालों और पुलिस से थी परेशान

सागर (ए.)। मध्य प्रदेश के सागर जिले से एक बेहद चौंकाने वाली और सनसनीखेज खबर सामने आई है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में चल रही साप्ताहिक जनसुनवाई उस समय अफरा-तफरी में बदल गई, जब न्याय की गुहार लगाने पहुंची एक महिला ने अचानक अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क कर आत्मदाह करने की कोशिश की। महिला को ऐसा करते देख वहां मौजूद अधिकारियों और आम जनता के हाथ-पांव फूल गए।

सुरक्षाकर्मियों की फुर्ती से बची जान

घटना के वक्त कलेक्ट्रेट परिसर में आवेदकों की भारी भीड़ थी। जैसे ही पीड़ित महिला ने खुद पर पेट्रोल डाला, वहां मुस्तैद पुलिस बल और सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत तत्परता दिखाई। महिला माचिस जला पाती, उससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। सुरक्षाकर्मियों की इस मुस्तैदी से एक बड़ा हादसा होने से टल गया, हालांकि घटना के बाद काफी देर तक परिसर में तनाव और गहमागहमी का माहौल बना रहा।

ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना और पुलिस पर लापरवाही के आरोप

पीड़िता ने रोते हुए अपनी आपबीती सुनाई और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। महिला का कहना है कि उसके ससुराल वाले उसे लंबे समय से शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं और उसे घर से निकाल दिया गया है। पीड़िता का सबसे बड़ा आरोप पुलिस की कार्यप्रणाली पर था; उसका दावा है कि वह बार-बार थाने के चक्कर काटती रही, लेकिन पुलिस ने न तो उसकी शिकायत सुनी और न ही आरोपियों के खिलाफ स्नङ्क्र दर्ज की। इसी लाचारी और सिस्टम की बेरुखी से तंग आकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया।

प्रशासन ने दिया जांच का आश्वासन

हंगामे के बाद वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने महिला को सुरक्षित जगह ले जाकर उसकी बात सुनी। अधिकारियों ने पीड़िता को भरोसा दिलाया है कि उसकी शिकायत पर निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषियों पर कार्रवाई होगी। साथ ही, अब इस बात की भी जांच की जाएगी कि निचले स्तर पर थाने में महिला की सुनवाई क्यों नहीं की गई।

जनसुनवाई की सार्थकता पर उठते सवाल

सागर जिले में जनसुनवाई के दौरान आत्मदाह की कोशिश का यह कोई पहला मामला नहीं है। पिछले एक साल में ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

सतना में सनसनीः 11 साल के मासूम का बेरहमी से कत्ल, घर के नीले ड्रम में छिपाया हुआ था शव; पूरे इलाके में दहशत

सतना (ए.)। मध्य प्रदेश के सतना जिले से एक बेहद सनसनीखेज और हृदय विदारक घटना सामने आई है। कोलगांवा थाना क्षेत्र के बैंक कॉलोनी इलाके में 11 वर्षीय बच्चे की हत्या कर उसका शव घर के अंदर एक नीले ड्रम में छिपा दिया गया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

मृतक की पहचान शिवराज रजक (11 वर्ष) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से सभापुर, नयागांव थाना क्षेत्र का निवासी था। परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है और बस स्टैंड के पास ठेला लगाकर जीवन यापन करता था। कुछ समय से यह परिवार बैंक कॉलोनी में संतोष विश्वकर्मा के किराए के मकान में रह रहा था।

बच्चे की मां को परेशान करता था आरोपी

मामले में मुख्य आरोपी मथुरा बताया जा रहा है, जो उसी मकान में किराए से रहता था और मृतक परिवार का पड़ोसी था। जानकारी के अनुसार, आरोपी लंबे समय से बच्चे की मां को परेशान कर रहा था और उस पर शादी का दबाव बना रहा था। इसी बात को लेकर परिवार और आरोपी के बीच विवाद चल रहा था। घटना से एक दिन पहले भी मृतक के पिता रमेश रजक और आरोपी के बीच कहासुनी हुई थी, जिसमें आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी थी। घटना वाले दिन दोपहर में शिवराज अचानक लापता हो गया। परिजनों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसी दौरान जानकारी मिली कि बच्चे को आखिरी बार आरोपी मथुरा के साथ देखा गया था, जिससे शक और गहरा हो गया।

तलाश करने पर पुलिस को मिला ड्रम में शव

परिजनों ने कोलगांवा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई और आरोपी पर अपहरण का संदेह जताया। पुलिस जब आरोपी के घर पहुंची तो वहां ताला लगा मिला। संदेह के आधार पर पुलिस ने ताला तोड़कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान घर के अंदर रखे एक नीले ड्रम से बच्चे का शव बरामद हुआ, जिसे देखकर सभी स्तब्ध रह गए।

एपल को मिला नया सीईओः टिम कुक पद से देंगे इस्तीफा, कंपनी के हार्डवेयर प्रमुख जॉन टर्नस संभालेंगे कमान

सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका)। दिग्गज तकनीकी कंपनी एपल को नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मिल गया है। इसके साथ ही टिम कुक जल्द ही सीईओ के पद से इस्तीफा देंगे। हालांकि, वह कंपनी में सीमित भूमिका में बने रहेंगे। उनकी जगह कंपनी की कमान जॉन टर्नस संभालेंगे, जो अब तक कंपनी में हार्डवेयर इंजीनियरिंग प्रमुख रहे हैं। पढ़ें पूरी खबर-

एपल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक अपने पद से इस्तीफा देने जा रहे हैं। स्टीव जॉब्स के बाद उन्होंने यह पद संभाला था। अब उनका लगभग 15 साल का कार्यकाल खत्म हो रहा है।

जॉन टर्नस बनेंगे एपल के नए सीईओ

इस दौरान कंपनी का बाजार मूल्य बहुत तेजी से बढ़ा। आईफोन के दौर में एपल का मूल्य 3.6 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया। टिम कुक (65 वर्षीय) एक सितंबर से सीईओ के पद से हट जाएंगे। उनकी जगह कंपनी के हार्डवेयर इंजीनियरिंग प्रमुख जॉन टर्नस नए सीईओ बनेंगे।

कंपनी के कामकाज में सीमित भूमिका निभाते रहेंगे कुक

हालांकि, टिम कुक कंपनी से पूरी तरह नहीं हटेंगे। वह एपल में कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में जुड़े रहेंगे और कंपनी के कामकाज में भूमिका निभाते रहेंगे। यह बदलाव अमेजन के जेफ बेजोस और नेटफिलक्स के रीड हेस्टिंग्स की तरह है। उन्होंने भी सीईओ पद छोड़ने के बाद कंपनी में सीमित भूमिका निभाई थी।

टिम कुक को स्टीव जॉब्स जैसी दूरदर्शिता वाला तकनीकी दिग्गज नहीं माना गया। लेकिन उन्होंने जॉब्स द्वारा बनाए गए आईफोन और अन्य तकनीकी नवाचारों का उपयोग किया। इसके जरिए उन्होंने एपल को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। एपल कंपनी 1990 के दशक में लगभग दिवालिया होने की स्थिति में थी। कुक के नेतृत्व में दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो गई।

भारत में एपल पर सख्ती, लग सकता है 3.56 लाख करोड़ का जुर्माना

उधर, आईफोन एप्स मार्केट में दबदबे वाली स्थिति का गलत इस्तेमाल करने के मामले में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने एपल के खिलाफ जांच तेज करते हुए अंतिम सुनवाई की तारीख 21 मई तय कर दी है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 35 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.51 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 16 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.32 पर पहुंच गया। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी डॉलर के स्थिर रुख और केंद्रीय बैंक के भारतीय मुद्रा पर सट्टेबाजी पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने से रुपये पर दबाव बढ़ा है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.25 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 93.37 के स्तर तक गिरने के बाद 93.32 पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 25 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.16 पर बंद हुआ था। इससे पहले के दो सत्र में रुपये में 47 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.4 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ 97.94 पर रहा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 753, निफ्टी 211 अंक ऊपर आया

मुंबई (ए.) । घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के संकेतों से भी बाजार में सकारात्मक माहौल रहा। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 753.03 अंक बढ़कर 79,273.33 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 211.75 अंक ऊपर आकर 24,576.60 पर कारोबार करता दिखा। सेंसेक्स आज करीब 750 अंकों की बढ़त के साथ 79,367.08 के शीर्ष स्तर जबकि निफ्टी 227 अंकों की तेजी के साथ ही 24,601.70 के उच्च स्तर पर पहुंचा। आज बैंक निफ्टी इंडेक्स में बढ़त रही। वहीं इसके अलावा व्यापक बाजारों में निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स और तो निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में भी तेजी रही। निफ्टी रियल्टी , निफ्टी प्राइवेट बैंक के अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी मीडिया में भी बढ़त रही। निफ्टी आईटी, निफ्टी ऑटो, निफ्टी मेटल में भी उछला आया पर निफ्टी फार्मा में गिरावट रही। निफ्टी 50 पैक में नेस्ले इंडिया, एचयूएल, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, टाटा कंज्यूमर, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, विप्रो और टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी आई जबकि एसबीआई लाइफ, बीईएल, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज, टाइटन, रिलायंस और एनटीपीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

डॉलर की मज़बूती से सोना फिसला, चांदी भी हुई सस्ती

- सोना 153,736 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 250,925 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली (ए.)। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मंगलवार के कारोबार में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। डॉलर की मज़बूती और निवेशकों द्वारा की गई मुनाफ़ावसूली के चलते सोने के दाम गिरे हैं। वहीं अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण कच्चे तेल की ऊँची कीमतें भी सोने पर दबाव डाल रही हैं। चांदी की कीमतों में भी नरमी देखी गई। सुबह 10ः30 बजे के आसपास एमसीएक्स पर सोने का जून वायदा 207 रुपए गिरकर 153,736 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का मई वायदा भी 1,620 रुपए की कमजोरी के साथ 250,925 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर था। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार बढ़ते अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की ऊँची कीमतें सोने-चांदी को अस्थिर बनाए हुए हैं। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल का व्यापार डॉलर में होने से, इसकी बढ़ती कीमतें डॉलर की मांग बढ़ाती हैं, जिससे सोने पर दबाव आता है।

तेल की कीमतों में नरमी से भारत को व्यापार घाटे में मिलेगी राहत, सोने-चांदी के आयात ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली(ए.)। सोना-चांदी के ज्यादा आयात से देश का व्यापार अंतर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि निर्यात में बढ़ोतरी बहुत धीमी रही। अगर वैश्विक हालात सुधरते हैं और कच्चे तेल व अन्य कमोडिटी सस्ती होती हैं, तो आने वाले समय में आयात खर्च घटने और निर्यात बढ़ने से स्थिति बेहतर हो सकती है। हालांकि, तनाव और महंगी ऊर्जा कीमतें बनी रहीं तो चालू खाते पर दबाव बढ़ने का खतरा रहेगा। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट में क्या कहा गया, पढ़िए-

कई देशों के साथ व्यापार समझौते और कच्चे तेल की कीमतों में हालिया तेजी के बाद आने वाली नरमी से भारत को रिकॉर्ड व्यापार घाटे के मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने एक रिपोर्ट में कहा, प्रमुख रूप से सोने और चांदी के आयात में वृद्धि से वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 333.3 अरब डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। अगर भू-राजनीतिक मोर्चे पर हालात नियंत्रित रहते हैं और कच्चे तेल की कीमतें नीचे आती हैं, तो आने वाले महीनों में भारत के व्यापार घाटे में कमी आने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद उपजे वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के आर्थिक बुनियादी आधार स्थिर बने हुए हैं। भू-राजनीतिक बाधाएं जैसे-जैसे दूर होंगी और विभिन्न देशों से नए व्यापार समझौतों का समर्थन मिलेगा, भारत के बाहरी क्षेत्र के प्रदर्शन में काफी सुधार होने की उम्मीद है। इससे न सिर्फ देश का निर्यात बढ़ेगा, बल्कि कमोडिटी की कीमतों में नरमी से आयात बिल में कमी आएगी और व्यापार घाटे के मोर्चे पर राहत मिलेगी। हालांकि, अगर ये बाधाएं बनी रहती हैं एवं कच्चे तेल समेत कमोडिटी की कीमतें और ऊपर जाती हैं, तो देश के चालू खाता घाटे पर दबाव बढ़ सकता है। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 में चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 1.5 से 2 फीसदी के बीच रहने का अनुमान लगाया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत से 441.7 अरब डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया गया, जो सिर्फ 0.9 फीसदी की वृद्धि दिखाता है।?2024-25 में यह 0.2 फीसदी बढ़ा था। आयात भी 721 अरब डॉलर के मुकाबले बढ़कर 775 अरब डॉलर पहुंच गया। इस तरह, कुल व्यापार घाटा बढ़कर 333 अरब डॉलर के पार पहुंच गया।

सेवाओं का निर्यात बढ़ने से कुल व्यापार घाटा (वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर) 119.3 अरब डॉलर रहा। 2024-25 में देश का कुल व्यापार घाटा 94.7 अरब डॉलर रहा था। 2025-26 के दौरान क्रूड का आयात 6.5 फीसदी कम हो गया, जबकि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण होर्मुज मार्ग बंद होने से तेल की कीमतें 58 फीसदी बढ़ गई थीं। 2025-26 के अप्रैल से फरवरी के बीच कच्चे तेल की कीमतों में सालाना आधार पर एक फीसदी की गिरावट आई, जिससे क्रूड आयात बिल पर पड़ने वाले पूरे साल के नुकसान को सीमित करने में मदद मिली।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

आम सहमति की परवाह नहीं

अब नियम तय करने के मामले में भी मजबूत देश आम सहमति की परवाह नहीं कर रहे हैं। जो सहमत नहीं हैं, उनको छोड़कर आगे बढ़ने का नजरिया उन्होंने अपनाया है। डब्लूटीओ के ढांचे और उसकी भावना पर यह घातक प्रहार है। विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) की 14वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में सीमा पार डिजिटल ट्रांसमिशन पर टैक्स लगाने पर रोक को जारी रखने के लिए अमेरिका ने अपना पूरा दम लगाया। लेकिन कुछ देशों के विरोध के कारण वह सफल नहीं हुआ। तो अब उसने एलान किया है कि वह उससे सहमत देशों के साथ अलग से समझौता करेगा। ऐसे करार में शामिल होने के लिए उसने अपने व्यापार सहयोगी देशों से आगे आने को कहा है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर ने कहा- 'सामान्य समझ से प्रेरित इस समझौते पर डब्लूटीओ सहमत नहीं हो सकता, तो अमेरिका उसके बाहर उन देशों के साथ ऐसा करार करेगा, जिनकी इसमें दिलचस्पी है।'अमेरिका के मन-माफिक समझौते को मोटे तौर पर ब्राजील और तुर्किये ने रोका। उधर भारत ने चीन की 'विकास के लिए निवेश सुविधा करार' (आईएफडी) संपन्न करने की कोशिश नाकाम कर दी। पिछले हफ्ते हुई 14वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में 166 में से 129 देशों ने चीन के प्रस्ताव का समर्थन किया। अब संकेत हैं कि चीन उन देशों के साथ लेकर इस समझौते पर आगे बढ़ेगा। ये दोनों घटनाएं डब्लूटीओ की लगातार बढ़ रही अप्रासंगिकता को जाहिर करती हैं। डब्लूटीओ की स्थापना के पीछे सोच अधिकतम सहमति से विश्व व्यापार के नियमों को तय करना और तय नियमों पर सख्ती से अमल की गारंटी करना थी। समझौतों पर अमल सुनिश्चित कराने के लिए डब्लूटीओ के अंदर अपनी न्यायिक प्रणाली बनाई गई। मगर डॉनल्ड ट्रंप ने बतौर राष्ट्रपति अपने पहले कार्यकाल में डब्लूटीओ में न्यायाधीशों की नियुक्ति रोक कर अदालती प्रक्रिया को ठप करने की शुरुआत कर दी। उनके बाद आया जो बाइडेन प्रशासन भी उसी रास्ते पर आगे बढ़ा। जजों के अभाव में डब्लूटीओ का यह अंग फिलहाल लकवाग्रस्त पड़ा हुआ है। इसी कारण विभिन्न देश द्विपक्षीय व्यापार समझौतों का सहारा लेने पर मजबूर हुए हैं। इस बीच अब नियम तय करने के मामले में भी मजबूत देश आम सहमति बनाने की परवाह नहीं कर रहे हैं। जो सहमत नहीं हैं, उनको छोड़कर आगे बढ़ने का नजरिया उन्होंने अपनाया है। डब्लूटीओ के ढांचे और उसकी भावना पर यह घातक प्रहार है।

आत्मनिर्भर भारत का पूरा गेम चीन के हाथ

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 साल पहले ओडिशा के पारादीप में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की रिफाइनरी के उद्घाटन के समय कहा था कि भारत 2022 तक तेल आयात को 10 फीसदी कम करेगा। ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा। लेकिन 10 साल के बाद भारत का तेल आयात कम से कम पांच फीसदी बढ़ गया है और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के जरिए जो आत्मनिर्भरता की बात हो रही थी उसमें भी भारत चीन के ऊपर निर्भर हो गया है। चाहे इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बैटरी हो या सोलर प्लेट्स हों इन सबके लिए चीन पर निर्भरता है। सोलर प्लेट्स भारत बनाने भी लगे तब भी उसके लिए जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति चीन से ही होती है। चांदी भी उसी में से एक उत्पाद है। सो, आत्मनिर्भर भारत का पूरा गेम चीन के हाथ में है। यानी अगर भारत ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर होने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत विकसित करना चाहेगा तो उसका लाभ भी चीन को मिलेगा।

जैसे आत्मनिर्भर होने के लिए चीन पर निर्भरता अनिवार्य है वैसे ही अभी गैस का जो संकट बढ़ा है उससे निपटने के लिए भी चीन की ही जरुरत है। भारत में गैस की किल्लत हुई है तो लोग बिजली से चलने वाले इंडक्शन चुल्हा खरीद रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक पहले भारत में एक महीने में एक लाख 80 हजार इंडक्शन कुक टॉप बिकता था और अब एक दिन में एक लाख बिक रहा है। इसकी बिक्री बढ़ने का मतलब है चीन की चांदी होना। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत का 85 से 90 फीसदी इंडक्शन चुल्हा चीन से आयात होता है। इसके बाद पांच फीसदी आयात वियतनाम से होता है। असल में चीन भारी मात्रा में इस तरह के इलेक्ट्रिक उपकरण बनाता है। उसके यहां इसके पार्ट्स सस्ते मिलते हैं और गांव गांव में कंपनियां खुली हुई हैं।

धधकती धरतीः विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

– योगेश कुमार गोयल

विश्व पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) पर विशेष

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके

की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे। सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी। धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में 4 आत्महत्याएँ

(डॉ. सत्यवान सौरभ)

भारतीय तकनीकी शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थान, जिन्हें कभी सपनों की फैक्ट्री कहा जाता था, आज कई युवाओं के लिए मानसिक दबाव के कारखाने बनते जा रहे हैं। हरियाणा के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में महज़ दो महीनों के भीतर चार छात्रों की आत्महत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल चार जिंदगियों का अंत नहीं, बल्कि एक ऐसे तंत्र की विफलता है जो प्रतिभा को तराशने के बजाय उसे तोड़ रहा है। फरवरी से अप्रैल 2026 के बीच हुई ये घटनाएँ अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि एक खतरनाक सिलसिले का संकेत देती हैं—जहाँ एक घटना के बाद दूसरी घटना घटती चली जाती है, जैसे निराशा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक फैल रही हो। दीक्षा दूबे का सुसाइड नोट—मैं कुछ करके नहीं दिखा पाई—सिर्फ एक छात्रा की पीड़ा नहीं, बल्कि उस मानसिकता का आईना है, जिसमें 'कुछ करके दिखाना' ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बना दिया गया है।

भारत में जे ई ई मैंस और जे ई ई अडवांस जैसी परीक्षाएँ लंबे समय से सफलता की कुंजी मानी जाती रही हैं। लाखों छात्र वर्षों तक दिन-रात मेहनत करते हैं ताकि वे इन परीक्षाओं में सफल होकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र जैसे संस्थानों में प्रवेश पा सकें। लेकिन विडंबना यह है कि जिस संस्थान में प्रवेश को जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि माना जाता है, वही कई छात्रों के लिए मानसिक संघर्ष का मैदान बन जाता है। यहाँ पहुँचने के बाद छात्रों को न केवल पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होता है, बल्कि उन्हें हर मोर्चे पर खुद को साबित करने का दबाव झेलना पड़ता है। 75 प्रतिशत उपस्थिति का नियम, लगातार असाइनमेंट और प्रोजेक्ट, सेमेस्टर परीक्षाओं का तनाव और प्लेसमेंट की अनिश्चितता—ये सब मिलकर छात्रों के मन पर एक अदृश्य लेकिन भारी बोझ डालते हैं।

यह दबाव केवल शैक्षणिक नहीं होता, बल्कि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक भी होता है। जब एक छात्र, जो अपने स्कूल या कोचिंग में सबसे आगे रहा हो, अचानक खुद को सैकड़ों प्रतिभाशाली छात्रों के बीच पाता है, तो उसकी आत्म-छवि प्रभावित होती है। पहले जहाँ वह खुद को सबसे बेहतर मानता था, वहीं अब वह खुद को सामान्य या कई बार कमज़ोर महसूस करने लगता है। यह बदलाव कई छात्रों के लिए मानसिक रूप से बहुत कठिन होता है। वे अपनी असफलताओं को स्वीकार नहीं कर पाते और धीरे-धीरे आत्म-संदेह और हीनभावना का शिकार हो जाते हैं।

इस पूरे संकट में परिवार की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। भारतीय समाज में शिक्षा को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जाता है। माता-पिता अपने बच्चों से बड़ी उम्मीदें रखते हैं, और यह उम्मीद कई बार अनजाने में दबाव में बदल जाती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि युवाओं में आत्महत्या के मामलों में पारिवारिक दबाव एक प्रमुख कारण होता है। विशेष रूप से उन छात्रों के लिए, जो आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं, यह दबाव और भी अधिक होता है। उनके माता-पिता अपनी सीमित आय का बड़ा हिस्सा उनकी पढ़ाई पर खर्च करते हैं, और बदले में उनसे सफलता की अपेक्षा करते हैं। ऐसे में यदि छात्र किसी भी कारण से अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाता, तो उसे लगता है कि उसने न केवल खुद को, बल्कि अपने पूरे परिवार को निराश कर दिया है।

सोशल मीडिया ने इस स्थिति को और जटिल बना दिया है। आज का युवा लगातार दूसरों की सफलता और खुशहाल जीवन की झलकियों से घिरा रहता है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर दिखने वाली चमक-दमक एक ऐसी दुनिया का निर्माण करती है, जो वास्तविकता से बहुत दूर होती है। लेकिन छात्र इसे वास्तविक मानकर अपनी तुलना दूसरों से करने लगते हैं। जब उन्हें लगता है कि वे इस आदर्श जीवन से पीछे हैं, तो उनमें असंतोष और निराशा बढ़ने लगती है।

फ्रांसीसी समाजशास्त्री एमिल दुरखाइम ने आत्महत्या को केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक समस्या के रूप में देखा था। उनका अनोमिक सुसाइड सिद्धांत बताता है कि जब समाज के नियम और अपेक्षाएँ व्यक्ति के लिए अस्पष्ट या असंतुलित हो जाती हैं, तो वह खुद को अलग-थलग महसूस करने लगता है। यही स्थिति आज कई तकनीकी संस्थानों में देखने को मिलती है। छात्र एक ऐसे वातावरण में होते हैं जहाँ उनसे बहुत अधिक अपेक्षाएँ की जाती हैं, लेकिन उन्हें उतना भावनात्मक या सामाजिक समर्थन नहीं मिलता। परिणामस्वरूप, वे भीतर ही भीतर टूटने लगते हैं।

ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों के लिए यह समस्या और भी गहरी होती है। वे अचानक एक ऐसे वातावरण में पहुँच जाते हैं, जहाँ भाषा, जीवनशैली और सामाजिक व्यवहार सब कुछ अलग होता है। उन्हें अपने आसपास के लोगों से जुड़ने में कठिनाई होती है। यह अलगाव धीरे-धीरे अकेलेपन में बदल जाता है, और अकेलापन मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा बन सकता है। कई छात्र अपनी समस्याओं को किसी से साझा नहीं कर पाते, क्योंकि उन्हें लगता है कि ऐसा करना कमजोरी की निशानी है।

महिला छात्रों के लिए यह संघर्ष कई स्तरों पर होता है। उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ सुरक्षा, सामाजिक अपेक्षाओं और आत्मनिर्भरता के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। कई बार उन्हें यह महसूस कराया जाता है कि उन्हें खुद को साबित करना है, न केवल एक छात्र के रूप में, बल्कि एक महिला के रूप में भी।

यह दोहरा दबाव उनके मानसिक स्वास्थ्य को और अधिक प्रभावित करता है।

मेष राशि: आज आपका दिन सकारात्मक रहेगा। आज आपका काफी दिनों से रुका काम पूरा होगा आपको रिलैक्स फील होगा। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है, जल्द ही आप करियर में नया मुकाम पाने वाले हैं। खासतौर पर साइंस से जुड़े छात्रों के लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आज माता-पिता के साथ किसी रिश्तेदार के घर जा सकते हैं। आज कार्यस्थल पर बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ होने का योग है। आप परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं ट्रिप पर जाने का प्लान बनायेंगे।

वृष राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। जो छात्र कॉलेज में नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, वो जल्द ही प्रोजेक्ट पूरा कर लेंगे शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज किसी भी कार्य करने की शुरुआत बुजुर्गों के आशीर्वाद लेकर करें अवश्य सफल होंगे।

मिथुन राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज कुछ लोग आपसे किसी काम के लिए मदद मांग सकते हैं। परिवार में आपके गुणों की तारीफ़ हो सकती है। किसी नयी तकनीक को अपनाने से आपके व्यापार में इजाफा होगा। आज जीवनसाथी के साथ डिनर करने का प्रोग्राम बनायेंगे।

कर्क राशि: आज आपका दिन शुभ फलदायक रहेगा। आज आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। आज आपके ऑफिस में काम को लेकर आपकी शिकायत कर सकता है। आपको हर चीज़ परफेक्ट रखनी चाहिए चाहे वो कोई भी काम हो । अगर आप नए काम की शुरुआत करने जा रहे हैं तो काम में बड़ों से विचार विमर्श जरूर कर लें। खुद को फिट रखने के लिए आपको योग करना चाहिए। लवमेट के साथ रिश्ते में मिठास बनी रहेगी।

सिंह राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी विशेष काम की ओर आपका झुकाव हो सकता है, आप अपना पूरा दिन पसंदीदा काम को करने में गुजारेंगे। आज करियर के मामले में स्थिति बेहतर होने के आसार हैं। आज सेहत के प्रति आपको सतर्क रहने की जरूरत है।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपको किसी तरह के कानूनी मामले में दोस्तों की मदद मिलेगी। आज आप परिवार वालों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे, जिसमें आप काफी हद तक सफल भी होंगे। दोस्तों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए मिली- जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपको व्यापार में उम्मीद से कुछ कम ही लाभ प्राप्त होगा। आज आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए कोशिश करेंगे। आज आपके घर पर कुछ मेहमान आ सकते हैं, आपको खुशी होगी। आज ऑफिस में काम की अधिकता थोड़ी ज्यादा रहेगी, लेकिन शाम तक सारा काम अच्छे से निपट जायेगा।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह खुशी आपके घर में बेटे के करियर को लेकर हो सकती है। आज ऑफिस में आपको नया काम मिल सकता है, जिसे पूरा करके आपको भी खुशी होगी। आज की शाम परिवार वालों के साथ बितायेंगे, जिससे पारिवारिक जीवन खुशहाल बनेगा।

धनु राशि: आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियाँ लेकर आया है। आज किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। साथ ही समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल बनेगा, आपकी मुलाकात कुछ खास लोगों से होगी। आप अपने लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करने के बारे में विचार करेंगे। ऑफिस में आपके अच्छे काम को देखकर जूनियर आपकी ज्यादा रेस्पेक्ट करेंगे।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा हो सकता है। आज आपके जीवन में कुछ बदलाव आ सकते हैं जो आपके नजरिये को एक सकारात्मक दिशा देंगे। आज आपको किसी काम को करने के लिये ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

कुम्भ राशि:आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। आज जीवनसाथी के साथ आप मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं। आज कार्यक्षेत्र में लोगों से हर तरह का सहयोग मिलेगा। कुछ दिनों से रुका हुआ काम आज पूरा हो जायेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज किसी जरूरी काम में आपको भाई-बहनों का सपोर्ट मिलेगा। अपने परिवार वालों के साथ आप कुछ बेहतरीन पलों का आनंद उठायेंगे। करियर में तरक्की के रास्ते खुल सकते हैं। आज आपको किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचना चाहिए और आपको अपनी योजनाओं के प्रति गोपनीयता बनाये रखने की जरुरत है।

बस्तर के लिए खुले वैश्विक द्वार; 4 घंटे में पूरा होगा समंदर तक का सफर

प्रदीप कुमार लाल

बस्तर की प्रगति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-130 सीडी) एक क्रांतिकारी कदम साबित होने जा रहा है। भारतमाला परियोजना के तहत बन रहा यह 6-लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर न केवल दूरियों को कम करेगा, बल्कि बस्तर के स्थानीय उत्पादों को सीधे अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों तक पहुँच प्रदान कर लैंड-लॉक्ड क्षेत्र की बाधाओं को समाप्त करेगा।

दुर्गम घाटों से मुक्ति और समय की बड़ी बचत

वर्तमान में जगदलपुर से विशाखापट्टनम की यात्रा ओडिशा के कोरापुट और जयपुर के कठिन घाटों से होकर गुजरती है, जिसमें 7 से 9 घंटे का समय लगता है। भारी वाहनों के लिए यह मार्ग न केवल थकाऊ है, बल्कि डीजल की खपत और मेंटेनेंस के लिहाज से भी खर्चीला है। नया कॉरिडोर इस यात्रा को मात्र 3.5 से 4 घंटे में समेट देगा। सीधा और घाट-मुक्त रास्ता होने के कारण वाहनों का परिचालन खर्च काफी कम हो जाएगा, जिससे परिवहन क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी।

नबरंगपुर इंटरचेंज: बस्तर का प्रवेश द्वार

रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-130 सीडी) छत्तीसगढ़ के रायपुर, धमतरी, कांकेर और कोंडागांव जिलों से गुजर रहा है। जगदलपुर मुख्यालय को इस कॉरिडोर से जोड़ने के लिए ओडिशा के नबरंगपुर का दासपुर इंटरचेंज महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। जगदलपुर का ट्रैफिक मात्र 50-60 किमी का सफर तय कर नबरंगपुर इंटरचेंज के माध्यम से रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर में शामिल हो सकेगा, जिससे बस्तर सीधे विशाखापट्टनम पोर्ट और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक नेटवर्क से जुड़ जाएगा।

बस्तरिया ब्रांड का अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश

इस कॉरिडोर का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव बस्तर की स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। अब बस्तर की अरेबिका कॉफी, जैविक इमली, महुआ उत्पाद और प्रसिद्ध ढोकरा शिल्प को विशाखापट्टनम पोर्ट तक पहुँचाना सुगम होगा। कम लॉजिस्टिक लागत के कारण ये उत्पाद वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध होंगे, जिससे स्थानीय किसानों, संग्रहकर्ताओं और शिल्पकारों को उनकी उपज का बेहतर अंतरराष्ट्रीय मूल्य मिल सकेगा।

सामाजिक और आर्थिक उत्थान

बस्तर, कांकेर और कोंडागांव जैसे आकांक्षी जिलों को इस परियोजना से सीधा लाभ मिलेगा। बेहतर सड़क संपर्क से शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाएं इन सुदूर क्षेत्रों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगी। इस राजमार्ग के माध्यम से बस्तर का कृषि उत्पाद और इस्पात सीधे रायपुर, दुर्ग-भिलाई और विशाखापट्टनम जैसे औद्योगिक केंद्रों से जुड़ जाएगा। इससे स्थानीय युवाओं के लिए तकनीकी, प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स, रियल एस्टेट और सर्विस सेक्टर में हजारों नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह कॉरिडोर बस्तर में औद्योगिक विकास की एक नई लहर लाने के लिए तैयार है।

औद्योगिक और खनिज विकास

बस्तर क्षेत्र लौह अयस्क और अन्य खनिजों से समृद्ध है। यह कॉरिडोर इन खनिजों को विशाखापत्तनम पोर्ट तक तेजी से पहुंचाने में मदद करेगा, जिससे निर्यात और व्यापार में भारी उछाल आएगा। कॉरिडोर के किनारे नए औद्योगिक क्लस्टर विकसित होने की संभावना है, जिससे स्थानीय स्तर पर विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान का विस्तार

कनेक्टिविटी में सुधार होने से अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की आमद बढ़ेगी। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा, दंतेश्वरी मंदिर, ढोलकल गणेश, कुतुमसर गुफा और चित्रकोट-तीरथगढ़ जैसे जलप्रपातों तक पहुंच आसान होगी। इससे न केवल पर्यटन राजस्व बढ़ेगा, बल्कि आदिम संस्कृति और लोक कलाओं को भी वैश्विक मंच पर नई पहचान मिलेगी।

पर्यावरण और इंजीनियरिंग का तालमेल

कांकेर जिले के बासनवाही के मंझिनगढ़ पहाड़ी (केशकाल) को चीरकर 2.79 किमी लंबी छत्तीसगढ़ की पहली ट्विन-ट्यूब टनल बनाई जा रही है। यह टनल उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के इको-सेंसिटिव जोन से गुजरती है, जिसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि वन्यजीवों का आवागमन बाधित न हो। साथ ही पूरे राजमार्ग में मंकी कैनोपी, एनिमल अंडरपास और ओवरपास बनाए जा रहे हैं ताकि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहे।

रायपुर-विशाखापत्तनम इकोनॉमिक कॉरिडोर

रायपुर-विशाखापत्तनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-130 सीडी) बस्तर संभाग और पूरे छत्तीसगढ़ के आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाली एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। लगभग 16,491 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह 464 किमी लंबा ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल कॉरिडोर न केवल दूरी कम करेगा, बल्कि बस्तर जैसे जनजातीय क्षेत्रों को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ने में सेतु का काम करेगा। यह कॉरिडोर बस्तर को विश्व व्यापार की मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह परियोजना सही मायने में बस्तर की आत्मनिर्भरता और वैश्विक पहचान का आधार बनेगी। लेखक क्षेत्रीय अधिकारीभारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर हैं

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार 22 अप्रैल 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

भाजपा सरकार ने 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन को महिला आरक्षण से जोड़कर एक खतरनाक खेल खेलने की कोशिश की : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली (ए.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा द्वारा महिला आरक्षण को 2011 की जनगणना पर आधारित परिसीमन से जोड़ने की आलोचना करते हुए इसे एक खतरनाक खेल बताया, जो जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए तमिलनाडु जैसे राज्यों को दंडित करता है। 21 अप्रैल को तमिलनाडु के वेलाचेरी में एक चुनावी रैली में बोलते हुए, खर्गे ने लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के खारिज होने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि केंद्र ने विधेयक पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने से इनकार कर दिया। खड़गे ने कहा कि भाजपा सरकार ने 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन को महिला आरक्षण से जोड़कर एक खतरनाक खेल खेलने की कोशिश की। इसका मतलब है तमिलनाडु जैसे राज्यों को दंडित करना, जिन्होंने

सफलतापूर्वक जनसंख्या नियंत्रण किया। विपक्ष एकजुट रहा, दिल्ली में कांग्रेस ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया, और डीएमके, टीएमसी, एसपी सभी ने कंधे से कंधा मिलाकर विधेयक को विफल किया। खार्गे ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की प्रशंसा करते हुए कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विधेयक के खिलाफ आवाज उठाने वाले पहले व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि यह जनविरोधी और दक्षिण विरोधी है, इसलिए उन्होंने विधेयक को फाड़कर जला दिया। यह देश के हर नागरिक की जीत है। यह संघवाद और न्याय की जीत है। हमने पंचायत और स्थानीय निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया है। यह कांग्रेस की उपलब्धि है, प्रधानमंत्री मोदी की नहीं। उन्होंने परिसीमन प्रक्रिया को देश के साथ धोखाधड़ी बताया और इस बात पर ज़ोर दिया कि 2023 में महिला आरक्षण विधेयक सर्वसम्मति से पारित तो हुआ, लेकिन लागू नहीं हुआ। खरगे ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने इसे लागू क्यों नहीं किया? उन्होंने इसे 30 महीनों तक ठंडे बस्ते में रखा। मैंने प्रधानमंत्री मोदी और रिजिजू को तीन पत्र लिखकर विधेयक को लागू करने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले, जलपाईगुड़ी के मैनागुड़ी में पार्टी प्रत्याशी दालिम रॉय के समर्थन में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान भारतीय जनता पार्टी की सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले, पश्चिम बर्धमान ज़िले में आसनसोल पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल के समर्थन में आयोजित एक रोडशो के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

दिल्ली में नकली ईनो और नेसकैफे फैक्ट्री का भंडाफोड़, 20 लाख का माल जब्त, 4 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राजधानी में चल रहे एक बड़े नकली प्रोडक्ट रैकेट का पर्दाफाश किया है. मधु विहार इलाके में चल रही इस अवैध फैक्ट्री में नकली ईनो और नेसकैफे कॉफी तैयार की जा रही थी. ये प्रोडक्ट देशभर में सप्लाई किए जा रहे थे, जिससे लोगों की सेहत को बड़ा खतरा था.

पुलिस ने करीब 20 लाख रुपये का सामान जब्त किया है और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इस पूरे मामले ने बाजार में बिक रहे नकली सामान के खतरे को उजागर कर दिया है. दिल्ली पुलिस की साइबर सेल और साउदर्न रेंज की क्राइम ब्रांच टीम को इस रैकेट की गुप्त जानकारी मिली थी. इसके बाद पुलिस ने मधु विहार इलाके में छापेमारी की, जहां दो फ्लैट्स में अवैध मैन्युफैक्चरिंग यूनिट चल रही थी. ये दोनों फ्लैट किराए पर लेकर नकली ईनो और कॉफी बनाने का काम किया जा रहा था. छापे के दौरान पुलिस ने देखा कि मौके पर मशीनों से पैकेजिंग और प्रोडक्शन का काम जारी था. इस ऑपरेशन को बेहद सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया, ताकि कोई आरोपी भाग न सके. रेड के दौरान पुलिस ने बड़ी मात्रा में नकली सामान और मशीनरी बरामद की. इसमें करीब 1 लाख ईनो के सैशे और 50 हजार नकली नेसकैफे कॉफी पैकेट शामिल थे. इसके अलावा 500 किलो कॉफी पाउडर, एसिड के ड्रम, पैकेजिंग मशीनें, फॉयल रोल, स्टिकर, बॉक्स और कार्टन भी मिले.ईनो से जुड़े 68,256 तैयार सैशे, हजारों खाली बॉक्स और 240 कार्टन बरामद हुए हैं. वहीं नेसकैफे के 36,480 तैयार पैकेट, 322 किलो कॉफी पाउडर और बड़ी मात्रा में पैकेजिंग मटेरियल भी जब्त किया गया. पूछताछ में मुख्य आरोपी उत्तम दास और पापाई दास ने बताया कि यह फैक्ट्री पिछले दो महीने से चल रही थी. वे नितिन भारद्वाज के निर्देश पर काम कर रहे थे, जो इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड था. पुलिस ने तकनीकी निगरानी के जरिए नितिन को देहरादून के सहस्त्रधारा से गिरफ्तार किया. इसके बाद उसकी निशानदेही पर कश्मीरी गेट के पास से संजय बंसल को भी पकड़ा गया. जांच में सामने आया कि यह एक संगठित गिरोह था, जो नकली सामान बनाकर देशभर में सप्लाई कर रहा था. जब्त किए गए ईनो और कॉफी प्रोडक्ट्स की जांच संबंधित कंपनियों के प्रतिनिधियों ने की. उन्होंने साफ कहा कि ये सभी उत्पाद पूरी तरह नकली हैं और उनकी कंपनी से इनका कोई संबंध नहीं है. आरोपियों को किसी भी तरह की मैन्युफैक्चरिंग या डिस्ट्रीब्यूशन की अनुमति नहीं दी गई थी. इसके अलावा इन यूनिट्स के पास कोई वैध लाइसेंस भी नहीं था. इससे साफ हो गया कि आरोपी लोगों को धोखा देकर उनकी सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे थे।

युवा परेशान, किसान हताश, उद्योग तबाह और तृणमूल तुष्टीकरण में व्यस्त : योगी

पश्चिमी मेदिनीपुर,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ममता सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि बंगाल में युवा परेशान हैं, किसान हताश हैं और उद्योग-धंधे ठप हो गए हैं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस (तृणमूल) सरकार का ध्यान केवल तुष्टीकरण पर है। योगी ने चिलचिलाती धूप में भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए कहा कि रेत, कोयला, ज़मीन और पशु माफिया बंगाल का शोषण कर रहे हैं, जबकि ममता दीदी को केवल 'जय श्री राम' के नारे से परेशानी होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि त्योहारों से पहले अशांति फैलती है और जुलूसों पर पत्थरबाज़ी की जाती है।उन्होंने वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति का ज़िक्र करते हुए कहा, पहले 'जय श्री राम' का नारा लगाने पर लाठीचार्ज और यहाँ तक कि गोलीबारी भी होती थी, लेकिन अब भगवान राम के भक्तों का स्वागत किया जाता है।

नालंदा में पति ने पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला, बचने के लिए फैलाई सीढ़ी से गिरने की अफवाह

नालंदा (ए.)। बिहार के नालंदा जिले के नूरसराय थाना क्षेत्र के परासी गांव में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक सनकी पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी. घटना शनिवार की देर रात की है. वारदात के बाद आरोपी पति ने लोगों को शक से बचाने के लिए सीढ़ी से गिरने की अफवाह फैला दी. जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान 30 वर्षीय राखी कुमारी के रूप में हुई है, जो मनीष कुमार उर्फ सूरजभान की पत्नी थी. आरोपी पति पिछले सात महीने से जेल में बंद था और करीब 15 दिन पहले ही नाबालिग से छेड़खानी के मामले में बेल पर बाहर आया था. मृतका के पिता उपेंद्र सिंह, जो सिलाव थाना क्षेत्र के करियत्रा गांव के निवासी हैं, ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2020 में अपनी बेटी की शादी की थी. शादी के बाद से ही दामाद अक्सर मायके पक्ष से पैसों की मांग करता था. पैसे नहीं देने पर वह बेटी के साथ मारपीट और प्रताड़ना करता था. शनिवार की रात पड़ोसियों ने फोन कर जानकारी दी कि दामाद ने उनकी बेटी के साथ बेरहमी से पिटाई की है और उसकी हालत गंभीर है. इसके बाद परिवार के लोग तुरंत सदर अस्पताल पहुंचे, लेकिन तब तक राखी कुमारी की मौत हो चुकी थी. परिजनों के अनुसार, मृतका के पूरे शरीर पर जख्म के निशान थे, जिससे साफ है कि उसे बेरहमी से पीटा गया था. नूरसराय थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि महिला की पीट-पीटकर हत्या की गई है. शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है. आरोपी पति की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है.

साथ रहने की जिद पर अड़ी थी शादीशुदा प्रेमिका, मिलने बुलाकर फेंक दिया नहर में

जालना (ए.)। जालना के अंबड तहसील में प्रेम प्रसंग से जुड़ा सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है. विवाहित महिला को साथ रखने के दबाव से परेशान आरोपी ने उसे नहर में धक्का देकर मार डाला. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है. महाराष्ट्र में जालना जिले के अंबड तहसील से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. यहां अपनी विवाहित प्रेमिका को साथ रखने की जिद से परेशान विवाहित प्रेमी ने उसे जायकवाड़ी की बाईं नहर में धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया. यह सनसनीखेज घटना अंबड तहसील के नालेवाड़ी शिवार इलाके में सामने आई है. इस मामले में गोंदी पुलिस थाने में हत्या का केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां उसे 21 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है. मृत महिला की पहचान 40 साल की सुरेखा नंदकिशोर आन्वीकर के रूप में हुई है. वहीं आरोपी की पहचान 48 साल के बाबासाहेब छगन राठोड के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, मृतका और आरोपी के बीच पिछले कुछ वर्षों से प्रेम संबंध थे. दोनों की मुलाकात एक काम के दौरान हुई थी, जिसके बाद दोनों लगातार संपर्क में थे. महिला अपने पति का घर को छोड़कर आरोपी के साथ रहने की जिद पर अड़ी थी. लेकिन आरोपी पहले से शादीशुदा होने के कारण उसे अपने साथ रखने से बच रहा था. इसी बात को लेकर दोनों के बीच लगातार विवाद हो रहा था. बताया जा रहा है कि आरोपी बाबासाहेब राठोड़ महिला को अपनी बाइक पर बैठाकर नालेवाड़ी शिवार स्थित जायकवाड़ी की बाईं नहर के पास ले गया. वहां महिला ने फिर से उसके साथ रहने की जिद की. आरोपी को डर था कि महिला उस पर दबाव बनाए रखेगी और उसका पारिवारिक जीवन भी प्रभावित होगा. इसी वजह से उसने पहले से साजिश रची और मौका देखकर महिला को बहती नहर में धक्का दे दिया.घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. शुरुआत में मामला आत्महत्या का लग रहा था, लेकिन पुलिस जांच में यह हत्या निकली. मृतका के पति नंदकिशोर जगन्नाथ आन्वीकर की शिकायत पर गोंदी पुलिस थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया. बताया जा रहा है कि वारदात के बाद आरोपी खुद पुलिस थाने पहुंचा और पूरी घटना की जानकारी दी. इसके बाद पुलिस ने तुरंत उसे हिरासत में ले लिया. मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक अशोक खरात कर रहे हैं. फिलहाल पुलिस ने आरोपी का मोबाइल जब्त कर लिया है और दोनों के बीच पुराने संपर्कों की भी जांच की जा रही है. इस वारदात से अंबड तहसील में सनसनी फैल गई है।

भाजपा पर अखिलेश यादव का बड़ा हमला, बोले-पीडीए ही सत्ता से हटाएगा, जनगणना में है देरी की साजिश

लखनऊ (ए.)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने महिला आरक्षण और जनगणना को लेकर बड़ा बयान दिया है। सपा कार्यालय में उन्होंने कहा कि आज ऐतिहासिक दिन इसलिए भी है क्योंकि बड़ी संख्या में लोग समाजवादी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। जो पीडीए का संघर्ष है उसमें आप सब लोग शामिल होकर हमें और मजबूत बनाने का काम कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम समाजवादी लोग हमेशा महिलाओं के आरक्षण के पक्ष में रहे हैं। अगर कोई आरक्षण को रोकना चाहता है तो वो भारतीय जनता पार्टी है, उसकी बदनीयत को हम लोग

कामयाब नहीं होने देंगे। अखिलेश ने आगे कहा कि जब जातीय जनगणना की मांग होगी तो हक, अधिकार और आरक्षण की बात होगी इसीलिए भारतीय जनता पार्टी के लोग जनगणना नहीं कराना चाहते। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि भाजपा हारेगी भी और कभी दोबारा आएगी नहीं। उन्होंने कहा कि इतिहास में पहली बार होने जा रहा है कि एक समुदाय एक दल को हराने जा रहा है और उस समुदाय का नाम है पीडीए, आने वाला समय में सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए पीडीए सरकार बनाने जा रहे हैं।

हमारे साथ लुका-छिपी मत खेलो, मुस्लिम धर्मगुरु पर हमले के मामले में सुप्रीम कोर्ट की यूपी पुलिस को फटकार

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा में मुस्लिम धर्मगुरु काजिम अहमद शेरवानी पर धार्मिक पहचान के आधार पर हुए हमले की जांच में लापरवाही को लेकर यूपी पुलिस को कड़ी फटकार लगाई है. कोर्ट ने यूपी पुलिस से पूछा कि उसके आदेश के बावजूद आईपीसी की धारा 153बी को एफआईआर में क्यों नहीं जोड़ा गया.सुप्रीम कोर्ट ने एक मुस्लिम व्यक्ति पर हमले की जांच में लापरवाही बरतने को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस को कड़ी फटकार लगाई है. यह मामला मुस्लिम धर्मगुरु काजिम अहमद शेरवानी से जुड़ा है, जिन्होंने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि उन पर 2021 में नोएडा में धार्मिक पहचान के आधार पर हमला किया गया था. याचिकाकर्ता काजिम अहमद शेरवानी ने आरोप लगाया है कि नोएडा में 2021 में हुई घटना में उनकी दाढ़ी खींची गई, टोपी उतारी गई और उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर उन्हें अपमानित किया गया। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने सुनवाई के दौरान यूपी पुलिस के खिलाफ सख्त रुख अपनाया. कोर्ट ने कहा कि उसके स्पष्ट निर्देशों के बावजूद एफआईआर में भारतीय दंड संहिता की धारा 153बी को शामिल नहीं किया गया. पीठ ने यह भी पूछा कि जांच अधिकारी अदालत के साथ लुका-छिपी क्यों खेल रहा है और क्या वह आईपीसी की 153बी और 295ए जैसी धाराओं से पीछे हट सकता है।

शासन में विविध विशेषज्ञता की आवश्यकता है; उपराष्ट्रपति ने राज्यों से भर्ती नीतियों में सुधार करने का आग्रह किया

नई दिल्ली (ए.)। अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने देश भर में कार्यरत सभी प्रशासनिक अधिकारियों और उनके सेवानिवृत्त साथियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने याद दिलाया कि स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं के प्रशिक्षुओं को संबोधित किया था, जिसमें उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को भारत का स्तंभ बताया था। इस बात को 79 वर्ष हो चुके हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अधिकारियों के विभिन्न बैचों ने इस विरासत को निरंतर कायम रखा है और प्रगति एवं समृद्धि की राह पर राष्ट्र की ठोस संरचना के रूप में कार्य किया है। उन्होंने विभिन्न राज्यों में कार्यरत प्रशासनिक अधिकारियों को राष्ट्रीय एकता और एकजुटता का सबसे बड़ा दूत बताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में हासिल की गई अभूतपूर्व प्रगति का जिक्र करते हुए

उपराष्ट्रपति ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मार्गदर्शक विजन पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रमुख उपलब्धियों के बारे में बताया, जिनमें लगभग 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालना, गरीबों के लिए 4 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण और सीमावर्ती गांवों को जीवंत समुदायों के रूप में विकसित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि लखपति दीदियों और नमो ड्रोन दीदियों जैसी पहलों के समर्थन से महिलाएं विकास में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने आकांक्षी जिला कार्यक्रम और 'एक जिला एक उत्पाद' जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का भी जिक्र किया और इस बात पर जोर दिया कि कोई भी राज्य या जिला पीछे नहीं छूटना चाहिए। सरकारी नीतियों के सच्चे क्रियान्वयनकर्ता के रूप में प्रशासनिक अधिकारियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इन उपलब्धियों में उनकी निष्ठा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के सिद्धांत का अनुभव प्रत्येक नागरिक को करना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि 2047 तक विकसित भारत की राह में भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। उन्होंने समावेशी विकास और प्रभावी शासन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता, ईमानदारी और अंतिम छोर तक सेवाएं पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, तथा केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास से लोक भवन तक आयोजित जन आक्रोश महिला पद यात्रा में शामिल हुए।

खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं : मुकेश मंगल

नई दिल्ली (ए.)। सरकार ने आज कहा कि खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटों में भारतीय ध्वज वाले जहाजों से जुड़ी कोई घटना सामने नहीं आई है। पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में बोलते हुए, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने कहा कि पूरे भारत में बंदरगाह संचालन सामान्य रूप से चल रहा है और किसी भी प्रकार की भीड़भाड़ की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि जब संघर्ष शुरू हुआ था तब स्थिति चुनौतीपूर्ण थी, जिसके कारण शिपिंग लाइन के संचालन में व्यवधान उत्पन्न हुआ और बंदरगाहों पर कंटेनरों का ढेर लग गया। उन्होंने कहा कि जब यह युद्ध शुरू हुआ, तो जहाजरानी लाइनों का संचालन बाधित हो गया और बंदरगाहों पर बड़ी संख्या में कंटेनर जमा हो गए। जब निर्यातक इन कंटेनरों को वापस ले जाना चाहते हैं, तो इन्हें बैक टू टाउन कंटेनर कहा जाता है। मंगल ने कहा कि हमारे पश्चिमी तट पर, दो मुख्य बंदरगाहों पर, 8 मार्च को लगभग 3,383 ऐसे कंटेनर बैक टू टाउन कंटेनर घोषित किए गए थे। 19 मार्च तक इनकी संख्या घटकर 99 रह गई, जो लगभग 97 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। उन्होंने इस सुधार का श्रेय बंदरगाह अधिकारियों के समन्वित प्रयासों और निर्यातकों पर वित्तीय दबाव कम करने वाले नीतिगत उपायों को दिया। उन्होंने कहा कि बंदरगाहों के व्यापक सहयोग से यह कमी संभव हो पाई, जिन्होंने विलंब शुल्क और अतिरिक्त किराया आदि माफ कर दिया। इससे निर्यातकों को काफी राहत मिली। मंगल ने बताया कि 28 फरवरी से अब तक कुल नौ एलपीजी पोत और एक कच्चे तेल का पोत होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से गुजर चुके हैं, जो इस क्षेत्र में समुद्री आवागमन में धीरे-धीरे हो रही स्थिरता को दर्शाता है।

मुंबई के कारोबारी से 325 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी, पुलिस 10 आरोपियों की कर रही तलाश

मुंबई ,(आरएनएस)। मुंबई के विले पार्ले ईस्ट इलाके में करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी अपहरण जैसी कैद और जबरन वसूली का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक व्यवसायी को ज्यादा निवेश रिटर्न का वादा करके कथित तौर पर 3.25 करोड़ रुपये का चूना लगाया गया। यह जानकारी पुलिस ने दी। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों ने पहले व्यवसायी को पर्याप्त मुनाफे का आश्वासन देकर 1 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए राजी किया। बाद में जब व्यवसायी को संदेह हुआ और उसने अपना पैसा वापस मांगा, तो उसे और उसकी कंपनी के महाप्रबंधक को कथित तौर पर बंदूक की नोक पर बंधक बनाया गया, जान से मारने की धमकी दी गई और जबरन 22.5 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए। मुंबई के एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में 10 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उन्हें ढूंढकर गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने जताई इंडिपेंडेंट सिनेमा के भविष्य पर चिंता

मुंबई (ए.)। अक्सर विभिन्न सामाजिक और फिल्मी मुद्दों पर एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर ऋचा चड्ढा खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने इंडिपेंडेंट सिनेमा के भविष्य पर गहरी चिंता व्यक्त की है, आखिर इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स लगातार कमर्शियल एक्टर्स को क्यों कास्ट करते हैं? अभिनेत्री का मानना है कि ऐसे कलाकार उन कहानियों के लिए न तो बॉक्स-ऑफिस पर दर्शकों को आकर्षित कर पाते हैं और न ही किसी इंडिपेंडेंट फिल्म को प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल्स में कोई विशेष साख दिला

पाते हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, अगर कोई एक्टर शुक्रवार को आपकी फिल्म को थिएटर में ओपनिंग नहीं दिला पाता और न ही फेस्टिवल्स में कोई खास वजन जोड़ पाता है, तो फिर एक इंडिपेंडेंट फिल्म में उसे कास्ट करने का आखिर फायदा क्या है? यह सवाल सीधे तौर पर इंडिपेंडेंट फिल्ममेकिंग की कास्टिंग रणनीतियों की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। ऋचा चड्ढा ने स्पष्ट किया कि वह किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रही हैं, लेकिन उन्होंने ट्रेंड या प्रशिक्षित एक्टर्स के महत्व पर जोर दिया, जो कमर्शियल सितारों की तुलना में इंडिपेंडेंट फिल्मों के लिए कहीं अधिक उपयुक्त होते हैं। उनके अनुसार, प्रशिक्षित कलाकारों के साथ कम से कम यह भरोसा रहता है कि उनकी परफॉर्मेंस की क्वालिटी बनी रहेगी, जो फिल्म की कलात्मक अखंडता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ऋचा ने कहा कि इंडी फिल्मों के पीछे भी अक्सर कमर्शियल सोच होती है, लेकिन कुछ कहानियों को भीड़ खींचने के लिए हमेशा इतने बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती। ऐसे में, एक ऐसे एक्टर को हायर करना ज्यादा किफायती होता है जो कम बजट में भी फिल्म को साख दिला सके और उसके साथ आने वाले लोगों का खर्च भी न बढ़ाए, जिससे फिल्म का कुल बजट नियंत्रण में रहे।

उन्होंने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, किसी भी एक्टर की काबिलियत या अहमियत को कम न करते हुए, मेरा मकसद यह है कि अगर इंडी फिल्मों को 2026 में सचमुच टिके रहना है, तो हमें यह समझना और सीखना होगा कि दर्शक अच्छी कहानियां देखना चाहते हैं, ऐसे काबिल एक्टर्स के साथ जो बजट पर भारी न पड़ें। ऋचा ने इस बात पर जोर दिया कि इंडिपेंडेंट सिनेमा की बुनियाद हमेशा से ही रिस्क लेने, असलियत और मजबूत कहानी कहने पर टिकी रही है। उन्होंने कहा, इंडी फिल्मों का मकसद नई आवाजों, एक्टर्स, लेखकों और टेक्नीशियन्स को सामने लाना होता है, जो फिल्म में कुछ नयापन और ईमानदारी ला सकें। जब फिल्म मेकर्स कमर्शियल वैल्यू के भ्रम में कास्टिंग के मामले में समझौता करते हैं, तो फिल्म अपनी रूह खो देती है और अपने मूल उद्देश्य से भटक जाती है।

एक्ट्रेस ने भारतीय सिनेमा के इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि 1980 के दशक में हमारे यहां इंडी सिनेमा का एक जबरदस्त दौर था, और फारूक शेख, अमोल पालेकर, शबाना आजमी जैसे दिग्गज एक्टर्स अपने आप में बड़े सितारे थे। उन्होंने मौजूदा स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि आज वह जगह पूरी तरह से खत्म हो चुकी है, जहां इंडिपेंडेंट सिनेमा अपने दम पर स्टार पैदा कर सके। ऋचा ने चेतावनी दी कि अगर पूरी इंडस्ट्री सिर्फ 5 बड़े मेल एक्टर्स के इशारे का इंतजार करती रहेगी, जो पहले से ही बहुत थके हुए और बिजी हैं, और जिनके कंधों पर आप अपनी फिल्में चलाना चाहते हैं, तो आपको मेरी तरफ से ऑल द बेस्ट क्योंकि इसका सीधा सा मतलब है कि फिल्मों का प्रोडक्शन बहुत कम हो जाएगा और नए विचारों को मौका नहीं मिलेगा।

शिफ्ट में काम करने को लेकर एक राय नहीं है दीपिका और रणवीर

मुंबई (ए.)। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने मां बनने के बाद सिनेमा में आठ घंटे की शिफ्ट को अनिवार्य करने की पुरजोर मांग की थी। इस मुद्दे को एक बार फिर हवा तब मिली जब कंगना रनौत ने भी हालिया इंटरव्यू में दीपिका का समर्थन किया, यह दर्शाता है कि यह चिंता इंडस्ट्री के कई कलाकारों के बीच साझा की जाती है।

खास बात यह है कि काम करने के तरीके और प्रतिबद्धता को लेकर दीपिका पादुकोण और उनके पति रणवीर सिंह दोनों की राय बिल्कुल अलग है। जहां दीपिका पादुकोण आठ घंटे की शिफ्ट को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के संतुलन और एक स्वस्थ कार्य संस्कृति से जोड़कर देखती हैं, वहीं रणवीर सिंह के लिए काम ही सब कुछ है। उनके लिए काम के प्रति समर्पण घंटों की सीमा से परे है और वे इसे सिर्फ एक लेन-देन या ट्रांजेक्शन के रूप में नहीं देखते। निर्देशक आदित्य धर ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि फिल्म धुरंधर की शूटिंग के दौरान रणवीर सिंह समेत पूरी टीम ने लगातार 16-18 घंटे काम किया था और रणवीर ने बिना किसी ब्रेक या शिकायत के यह

सिलसिला बनाए रखा था। यह उनकी उस कार्य नैतिकता का प्रमाण है जो घंटों की परवाह नहीं करती। अभिनेता ने एक पुराने साक्षात्कार में भी इस बात को स्वीकार किया था कि उनके काम करने के लंबे घंटों के कारण उनके सह-कलाकारों को भी परेशानी होती थी, क्योंकि वह आठ घंटे की शिफ्ट पर बिल्कुल यकीन नहीं करते।

उन्होंने कहा था, हिंदी सिनेमा में या एक फिल्म को बनाने में आठ घंटे में काम कर पाना बहुत मुश्किल है, तो थोड़ा ज्यादा कर लो शूटिंग, क्योंकि मैं काम को ट्रांजेक्शन या सिर्फ एक लेन-देन के रूप में नहीं देखता, यह मेरे लिए जुनून और प्रतिबद्धता का विषय है। रणवीर ने मजाकिया अंदाज में यह भी जोड़ा था कि उनके सह-कलाकार भी उनसे परेशान रहते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी वजह से उन्हें भी तय शिफ्ट से ज्यादा काम करना पड़ेगा और वह सिनेमा के शिफ्ट स्टैंडर्ड को खराब कर रहे हैं। लेकिन रणवीर का मानना था कि अगर कोई चीज सीन के लिए आठ घंटे में नहीं निकल पाती है, तो थोड़ा और शूटिंग करने में क्या हर्ज है, खासकर जब आप किसी रचनात्मक प्रक्रिया में डूबे हों। गौरतलब है कि रणवीर सिंह का यह बयान दीपिका पादुकोण के बयान से पहले आया था, जब दोनों साथ में कई फिल्में कर रहे थे। हालांकि, दीपिका के बयान का बहुत सारे सेलेब्स ने समर्थन किया, लेकिन रणवीर सिंह ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, जिससे उनके मतभेदों की पुष्टि हुई।

भूत बंगला ने किया पहले ही दिन शानदार कलेक्शन

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड फिल्म भूत बंगला ने सिनेमाघरों में धमाकेदार शुरुआत की है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर एक बार फिर अक्षय और प्रियदर्शन की सुपरहिट जोड़ी का जादू देखने को मिला है। अभिनेता अक्षय कुमार, राजपाल यादव और वामिका गब्बी अभिनीत इस कॉमेडी फिल्म ने पहले ही दिन शानदार कलेक्शन किया है। अपनी शानदार कॉमेडी से दर्शकों को हंसाने वाले अभिनेता राजपाल यादव ने स्वयं फिल्म के कलेक्शन

से जुड़ा एक पोस्ट साझा किया है, जिससे दर्शकों और फिल्म समीक्षकों के बीच उत्साह और बढ़ गया है। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी वाली इस फिल्म ने दुनिया भर में लगभग 21.60 करोड़ रुपये का कलेक्शन दर्ज किया है, जो इसकी जबरदस्त ओपनिंग का संकेत है और यह साबित करता है कि दर्शक अभी भी इस जोड़ी की कॉमेडी को कितना पसंद करते हैं। राजपाल यादव ने अपने पोस्ट में फिल्म के पहले दिन की कमाई का आंकड़ा साझा करते हुए लिखा, बॉक्स ऑफिस कलेक्शन उतना ही चौंकाने वाला है जितना सिनेमाघरों में हंसी-मजाक का माहौल है। उनकी यह टिप्पणी फिल्म के प्रति दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और बॉक्स ऑफिस पर उसकी मजबूत पकड़ को दर्शाती है।

ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने देशभर में केवल पेड-प्रीव्यू के दौरान ही लगभग 3 करोड़ रुपये से अधिक का कलेक्शन किया है, हालांकि फिल्म निर्माताओं की ओर से अभी तक पेड-प्रीव्यू के कलेक्शन को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। दर्शकों को भूत बंगला से काफी उम्मीदें थीं, क्योंकि अभिनेता अक्षय कुमार लंबे समय बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ पर्दे पर लौट रहे हैं। यह जोड़ी जब भी साथ आई है, दर्शकों को सिनेमाघरों में हंसी से लोटपोट देखा गया है, और उनकी फिल्में अक्सर बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ती रही हैं। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन ने आखिरी बार 2010 में फिल्म खट्टा-मीठा में साथ काम किया था, लेकिन उनकी पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्मों में हेरा-फेरी, दे दना दन, गरम मसाला, हे बेबी और भूल-भुलैया जैसी कॉमेडी फिल्में शामिल हैं, जिन्होंने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है और हिंदी सिनेमा के इतिहास में अपनी एक खास जगह बनाई है।

महिला आरक्षण बिल फेल होने से अभिनेत्रियां हुई निराश

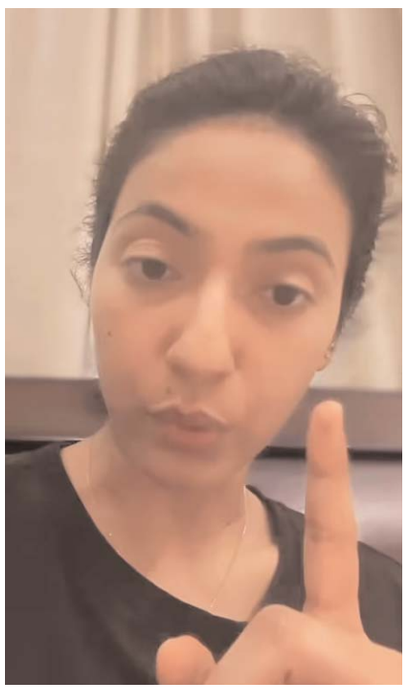

मुंबई (ए.)। भारतीय संसद में महिला आरक्षण कानून बिल फेल होने के बाद महिलाओं के अधिकारों और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह बिल लोकसभा में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका, जिसके परिणामस्वरूप यह महत्वपूर्ण विधेयक पारित नहीं हो पाया। बिल को कानून का रूप देने के लिए अपेक्षित संख्या से यह काफी कम था, जिसने न केवल राजनीतिक गलियारों में बल्कि आम जनता के बीच भी गहरी निराशा पैदा कर दी है। इस बिल के पक्ष में 298 वोट पड़े, जबकि इसके विरोध में 230 वोट डाले गए। बिल की फेल होने पर अपनी गहरी निराशा व्यक्त करने वालों में बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी की बहन और फिटनेस कोच खुशबू पाटनी भी शामिल हैं। खुशबू पाटनी ने महिलाओं के अधिकारों के प्रति इस उदासीनता पर मुखर होकर सवाल उठाया है कि आखिर महिलाएं कब तक अपने हक से वंचित रहेंगी और इस तरह के फैसलों के लिए उन्हें कितना और इंतजार करना होगा।

उन्होंने कहा कि सालों से वह महिलाओं के हक में लाए जा रहे इस बिल के बारे में सुन रही हैं, लेकिन इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी यह कानून लागू नहीं हो पाया है। इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट में खुशबू ने अपनी व्यक्तिगत पीड़ा और सामूहिक निराशा को व्यक्त करते हुए पूछा, कितना और इंतज़ार? कभी जनगणना ने रोका, कभी परिसीमन ने रोका, कभी किसी राजनीतिक बहस ने रोका। आज तक महिला आरक्षण बिल लागू नहीं हो सका। उन्होंने आगे लिखा कि सभी जानते हैं कि 2026 में परिसीमन की फ्रीजिंग हट जाएगी, लेकिन उसके बाद भी क्या कोई ठोस समाधान निकल पाएगा या यह सिर्फ एक और बहाना बनकर रह जाएगा? उन्होंने इस समस्या को महिलाओं का या राजनीतिक पार्टियों का मुद्दा बताते हुए पूछा कि कितना और इंतजार करना होगा, कहीं यह इंतजार 2035 तक तो नहीं जाएगा। अपनी निराशा व्यक्त करते हुए उन्होंने लिखा, जब पैदा हुई तब सुना था, आज भी सुन ही रही हूं। ऐसा नहीं हो बुढ़ापे में भी सुनती रहूंगी।

जरीन खान ने मां के निधन के बाद लिखी भावुक पोस्ट, छलका दर्द

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेत्री जरीन खान ने अपनी मां के निधन के बाद जरीन खान गहरे सदमे में हैं। अभिनेत्री ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए एक खास पोस्ट साझा किया, जिससे उनके प्रशंसकों और शुभचिंतकों को उनकी पीड़ा का अंदाजा हुआ। अपनी मां के साथ बिताए पुराने पलों का अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक मोंटाज वीडियो पोस्ट किया, जिसमें जरीन और उनकी मां साथ में हंसती-खेलती और खुश नजर आ रही हैं। यह वीडियो उनकी गहरी बॉन्डिंग और अटूट प्यार को दर्शाता है, जिसमें हर तस्वीर उनकी मां के साथ बिताए अनमोल क्षणों की गवाह है। वीडियो के साथ लिखा गया उनका भावुक नोट उनके दिल के दर्द को साफ बयां करता है, जिससे उनके चाहने वाले भी गमगीन हो गए हैं। इस बेहद भावुक पोस्ट में जरीन ने अपनी मां के लिए मार्मिक शब्द लिखे, निश्चय ही हम ऊपरवाले के हैं और एक दिन हमें वहीं जाना है। मां, आपको गए हुए अभी बस 10 दिन हुए हैं। मैं दुनिया के लिए कोई बड़ा कैप्शन नहीं लिखूंगी, क्योंकि आप पहले से ही जानती हैं कि मैं अभी क्या महसूस कर रही हूं। इन पंक्तियों में जरीन की उस अंदरूनी पीड़ा का एहसास होता है जिसे शब्दों में पूरी तरह बयां कर पाना मुश्किल है, और यह सीधे उनके दिल से निकली भावनाएं थीं। उन्होंने अपनी भावनाओं को आगे व्यक्त करते हुए लिखा, मेरे दिल में एक दर्द और खालीपन है, जिसे कोई भी भर नहीं सकता। आप हमेशा सही रहें और ऊपर अच्छे से रहें, जब तक हम फिर से नहीं मिलते हैं। जरीन के इन शब्दों से उनका अपनी मां के प्रति असीम प्रेम और उनके जाने का गहरा दुख स्पष्ट झलक रहा है। यह खालीपन ऐसा है जिसे शायद समय भी पूरी तरह भर नहीं पाएगा, बस यादों के सहारे ही जीवन आगे बढ़ेगा। अभिनेत्री जरीन खान की मां परवीन खान लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं, और जरीन ने हर मुश्किल घड़ी में उनका साथ दिया था। अक्टूबर 2025 में भी उनकी तबीयत काफी खराब हो गई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

क्यों मां नहीं बनना चाहती थीं पत्रलेखा? सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के बीच एक्ट्रेस ने किया खुसाला; कही ये बात

एक्ट्रेस पत्रलेखा बीते कुछ दिनों से सुर्खियों में हैं। अब हाल ही में उन्होंने मां बनने को लेकर अनपी भावनाओं पर बात की है। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा।

राजकुमार राव की पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर चर्चाओं में हैं। हाल ही में मां बनने के बाद वे पब्लिक में नजर आईं थीं, जिसके बाद कुछ लोगों ने मां बनने के बाद उनमें हुए बदलावों को लेकर ट्रोल किया था। इसके बाद एक्ट्रेस ने एक स्टोरी के जरिए उन्हें कड़ा जवाब दिया था। अब एक्ट्रेस ने अपने मां बनने के अनुभव पर खुलकर बात की है।

मां बनने पर क्या बोलीं पत्रलेखा?

हाल ही में आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में पत्रलेखा ने कहा, 'मैं हमेशा सोच रही थी। शायद मैं मां नहीं बनना चाहती थी। शायद आपको कभी-कभी समझ नहीं आता। लेकिन अब मेरा बच्चा मेरे साथ है, जो काफी अच्छी फीलिंग है। मुझे लगता है मैं अपने इस वक्त अपने बेस्ट वर्जन में हूं।

पत्रलेखा की डेब्यू फिल्म बतौर प्रोड्यूसर

बता दें कि पत्रलेखा ने हाल ही में 'टोस्टर' फिल्म को प्रोड्यूस किया है। ये फिल्म बतौर प्रोड्यूसर पत्रलेखा की पहली फिल्म थी। मूवी 15 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है। पत्रलेखा ने पहली बार मूवी प्रोड्यूस करने पर भी बात की।

उन्होंने कहा, 'हां, प्रोड्यूसर बनना एक शानदार और कठिन काम है। लेकिन ये सबसे जरूरी चीज मेरे साथ हुई है, वो है मां बनना। और ये सबसे महान अनुभव है।'

कब हुई थी राजकुमार राव और पत्रलेखा की शादी?

पत्रलेखा ने 15 नवंबर, 2021 को राजकुमार राव से शादी की थी। अपनी शादी की चौथी सालगिरह पर नवंबर 2025 में कपन ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। उन्होंने बेटी का नाम पार्वती पॉल राव रखा है।

टोस्टर मूवी के बारे में

बता दें कि पत्रलेखा द्वारा प्रोड्यूस्ड फिल्म 'टोस्टर' 15 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। मूवी में उनके पति और एक्टर राजकुमार राव, सान्या मलहोत्रा और अर्चना पूरन सिंह लीड रोल में नजर आएंगे।

अफेयर की चर्चाओं के बीच धनुष की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी मृणाल! जानें कैसी होगी कहानी, कब होगी घोषणा?

पिछले साल मृणाल ठाकुर और धनुष के रिश्ते को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही थीं। यहां तक कि दोनों की शादी तक कीं अफवाहें बी-टाउन की गलियों में फैली थीं। हालांकि, मृणाल ने कई बार इन्हें अफवाहें बताकर खारिज किया। अब एक बार फिर मृणाल और धनुष चर्चाओं में हैं, लेकिन इस बार वजह पर्सनल नहीं बल्कि प्रोफेशनल है। चर्चाएं हैं कि मृणाल ठाकुर धनुष के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में प्रमुख भूमिका में नजर आ सकती हैं।

धनुष करेंगे फिल्म का निर्देशन

इंडिया टुडे में छपी एक खबर के मुताबिक, एक महिला प्रधान फिल्म पर काम चल रहा है और मृणाल ठाकुर को मुख्य भूमिका के लिए चुना जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में महिला मुख्य कलाकार के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी और बातचीत अंतिम चरण में है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ अन्य खबरों के अनुसार, धनुष इस फिल्म का निर्देशन कर सकते हैं, जो 1960 या 1970 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

उड़ी थीं मृणाल और धनुष के अफेयर की खबरें

धनुष और मृणाल ठाकुर के बारे में अफवाहें पिछले साल अगस्त 2025 से फैलनी शुरू हुई थीं। जब दोनों को मृणाल की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर एक साथ देखा गया। इससे पहले धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप पार्टी में भी मृणाल ठाकुर की मौजूदगी ने सबका ध्यान खींचा था।

सोशल मीडिया पर धनुष के परिवार के सदस्यों को फॉलो करते हुए मृणाल के देखे जाने के बाद अटकलें और तेज हो गईं। बाद में मृणाल ठाकुर ने अपनी फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के प्रमोशन के दौरान अपनी शादी की अफवाहों को खारिज किया था। उन्होंने इन चर्चाओं को सिर्फ अफवाह बताया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे धनुष

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल हाल ही में आदिवी शेष के साथ फिल्म 'डकैत' में नजर आईं। इस एक्शन रोमांटिक ड्रामा को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं और बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत धीमी रही।

वहीं धनुष अपनी अगली फिल्म %कारा% की तैयारी में जुटे हैं, जो 1991 के खाड़ी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बांग्लादेश ने दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड को हराया, सीरीज में 1-1 से बराबरी की

नईदिल्ली(ए.)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने दूसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को 6 विकेट से हराते हुए सीरीज में फिलहाल 1-1 से बराबरी की। ढाका में हुए मैच में मेहमान टीम के बल्लेबाजों ने निराश किया और पूरी पारी 198 रन पर सिमट गई। जवाब में बांग्लादेशी टीम ने तंजीद हसन तमीम (76) और नजमुल हुसैन शांतो (50) की पारियों की बदौलत लक्ष्य हासिल किया। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

न्यूजीलैंड ने 52 रन तक अपने 3 विकेट खो दिए। लगातार गिर रहे विकेटों के बीच निक केली ने 83 रन की पारी खेली। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा की घातक गेंदबाजी (5/32) के चलते कीवी टीम 48.4 ओवर में सिमट गई। जवाब में बांग्लादेश ने 21 रन तक 2 विकेट खो दिए। संकट की घड़ी में मेजबान टीम से तंजीद हसन तमीम (76) और नजमुल हुसैन शांतो (50) ने उम्दा पारियां खेलते हुए जीत दिलाई।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज नाहिद ने लगातार 2 ओवरों में हेनरी निकोल्स (13) और विल यंग (2) को आउट किया। उन्होंने मध्यक्रम में मुहम्मद अब्बास (19) का विकेट चटकाते हुए अहम साझेदारी को तोड़ा। उनके अगले शिकार डीन फॉक्सक्रॉफ्ट (15) और जेडन लेनोक्स (0) थे। उन्होंने 10 ओवरों में 32 रन देते हुए 5 विकेट लिए। इस बीच उन्होंने एक ओवर मेडन किया।

क्रिकइंफो के अनुसार, नाहिद वनडे में न्यूजीलैंड के खिलाफ बांग्लादेश के लिए 5 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए हैं। वह रुबेल हुसैन (6/26) और आफताब अहमद (5/31) जैसे गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ इस तेज गेंदबाज ने 3 मैचों में 20.00 की औसत और 4.82 की इकॉनमी रेट के साथ 7 विकेट लिए। यह कीवी टीम के खिलाफ उनका पहला 5 विकेट हॉल है।

तंजीद ने अपने वनडे करियर का छठा अर्धशतक लगाया। वह 58 गेंदों पर 76 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, नजमुल ने 71 गेंदों पर 50 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हर्ट हुए। क्रीज छोड़ने से पहले उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के लगाए। नजमुल और तंजीद ने तीसरे विकेट के लिए 110 गेंदों में 120 रन की उम्दा साझेदारी की।

मुंबई ने गुजरात को 99 रनों से हराकर दर्ज की बड़ी जीत, अंक तालिका में तीन स्थान का हुआ फायदा

अहमदाबाद,(ए.)। तिलक वर्मा की शानदार सेंचुरी और फिर अश्वनी कुमार की घातक गेंदबाजी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस पर 99 रनों से बड़ी जीत दर्ज की है. इस जीत के साथ मुंबई अंक तालिका में 10वें स्थान से 7वें स्थान पर पहुंच गया।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने पूरे 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 199 रनों का स्कोर खड़ा किया. जिसमें तिलका वर्मा की 45 गेंद पर नाबाद 101 रनों की शानदार पारी शामिल है. अपनी पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके और 7 छक्के भी लगाए. इसके अलावा नमनधीर ने 32 गेंद में 45 रनों की अहम पारी खेली. गुजरात की तरफ से कगीसो रबाड़ा सबसे सफल गेंदबाज रहे, उन्होंने 4 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

199 रनों के जवाब में गुजरात के बल्लेबाज ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके और पूरी टीम 15.5 ओवर में ही 100 रनों पर ढेर हो गई. मुंबई की तरफ से अश्वनी कुमार ने सबसे बेहतरीन गेंदबाजी की. उन्होंने 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट हासिल किए. इसके अलावा गजनफर और सेंटनर के 2-2 विकेट मिले. जबकि बुमराह और हार्दिक एक-एक विकेट लेने में सफल रहे।

आईपीएल 2026: हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस के लिए पूरे किए 2,000 रन, जानिए उनके आंकड़े

अहमदाबाद,(ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 30वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 16 गेंदों में 15 रन की पारी खेली। हालांकि, इसके बाद भी उन्होंने एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। अपनी पारी का तीसरा रन बनाते ही उनके मुंबई इंडियंस के लिए 2,000 रन पूरे हो गए। वह मुंबई इंडियंस के लिए यह उपलब्धि हासिल करने वाले 7वें बल्लेबाज बने हैं। आइए आईपीएल में उनके आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं। आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम दर्ज हैं। उन्होंने इस टीम के लिए कुल 6,013 रन बनाए हैं। इस सूची में सूर्यकुमार यादव (3,824) दूसरे, किरोन पोलार्ड (3,412) तीसरे, अंबाती रायडू (2,416) चौथे, सचिन तेंदुलकर (2,234) 5वें, ईशान किशन (2,325) छठे और पांड्या (2,012) 7वें नंबर पर हैं। पांड्या ने 126 मैच की 115वीं पारी में यह उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। हार्दिक ने IPL में 157 मुकाबले खेले हैं, जिसकी 145 पारियों में 28.17 की औसत और 146.80 की स्ट्राइक रेट से 2,845 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 10 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 91 रन रहा है। गेंदबाजी में इस खिलाड़ी ने 112 पारियों में 32.64 की औसत और 9.30 की इकॉनमी से 81 विकेट चटकाए हैं।

बीसीसीआई का मास्टर प्लान, श्रेयस अय्यर होंगे कप्तान, एक साथ दो टीमें उतरेंगी मैदान पर

नईदिल्ली, (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग के आने के बाद से, टीम इंडिया में जगह बनाने के लिए खिलाड़ियों के बीच कंपटीशन बढ़ गया है. कई युवा खिलाड़ियों ने इस घरेलू टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और दुनिया को अपनी काबिलियत दिखाई है. इसके साथ ही, उन खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने की मांग भी बढ़ती जा रही है.

हालांकि, यह चयनकर्ताओं के लिए एक चुनौती बन गया है कि किसे चुना जाए और किसे छोड़ा जाए. कई बार, चयन समिति को इस मामले में आलोचना का सामना भी करना पड़ा है. इसीलिए क्रिकेट से जुड़े सूत्रों का कहना है कि बीसीसीआई एक नई योजना बना रहा है. फिलहाल, आईपीएल में फॉर्म में चल रहे खिलाड़ियों की संख्या बहुत ज्यादा है. इसलिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड 30 से 35 खिलाड़ियों वाली दो टी20 टीमें बनाने पर विचार कर रहा है. चर्चा है कि चयन समिति इसी मकसद से एक सूची तैयार कर रही है. इससे टीम इंडिया की दो टीमें एक ही समय पर अलग-अलग विरोधियों के खिलाफ मैदान में उतर सकेंगी।

बीसीसीआई की योजना के अनुसार एक तरफ एक टीम अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय सीरीज खेलेगी तो दूसरी तरफ, उसी समय एशियाई खेलों जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में भी टीम इंडिया हिस्सा लेगी. इस योजना के तहत सूर्यकुमार यादव हमेशा की तरह एक टीम के कप्तान होंगे. लकिन दूसरी टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी श्रेयस अय्यर को दिए जाने की संभावना है.

बीसीसीआई के एक सदस्य ने बताया, एशियाई खेल और वेस्टइंडीज के साथ होने वाली सीरीज एक ही समय पर होंगी. इसलिए, हम दोनों टीमों को मैदान में उतारने की तैयारी कर रहे हैं. इसके लिए, 30-35 खिलाड़ियों की एक सूची तैयार की जा रही है. हम इसी सूची में से आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरों के लिए भी खिलाड़ियों का चयन करेंगे. आईपीएल में खेल रहे खिलाड़ियों के लिए यह एक सुनहरा मौका है. हम उन खिलाड़ियों को चुनेंगे जिन्होंने बेहतर प्रदर्शन किया है।

आईपीएल 2026: तिलक वर्मा का कमाल, 18 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी कर मचाया धमाल

अहमदाबाद,(ए.)। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 के 30वें मैच में गुजरात टाइटंस को उनके घर पर 99 रनों से मात देकर बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रही. जिसकी वजह से वो अंक तालिका में 10वें नंबर से उठकर 7वें नंबर पर पहुंच गए।

इस जीत की नींव मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा ने रखी थी. उन्होंने 45 गेंद में नाबाद 101 रनों की पारी खेलकर टीम का स्कोर 199 तक पहुंचा दिया. इसके बाद रही सही कसर गेंदबाजों ने पूर कर दी, जब उन्होंने शनादर गेंदबाजी करके गुजरात की पूरी टीम को 15.5 ओवर में 100 रनों पर ही ढेर कर दिया।

अपनी इस दमदार पारी की वजह से तिलक वर्मा ने रिकॉर्ड बुक्स में अपना नाम दर्ज करा लिया. वो अब मुंबई इंडियंस के लिए सबसे तेज शतक बनाने वाले संयुक्त रूप से पहले खिलाड़ी बन गए. उन्होंने सनथ जयसूर्या के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड की बराबरी कर ली. जयसूर्या ने 18 साल पहले 2008 में वानखेड़े स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 45 गेंदों में शतक बनाया था.मुंबई इंडियंस के लिए सबसे तेज शतकों की लिस्ट में अब तिलक और जयसूर्या (45 गेंद, 2008) संयुक्त रूप से टॉप पर हैं।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया

बीच के ओवरों में जरुरत से ज्यादा रन दिये

अहमदाबाद (ए.)। गुजरात टाइटंस की टीम को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से निराश टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इसके लिए गेंदबाजों का जिम्मेदार बताया। शुभमन ने कहा कि हमने काफी ज्यादा रन दे दिये थे। बीच के ओवरों में हमें अच्छी गेंदबाजी करनी चाहिये थी पर उसमें हम विफल रहे। हमारे गेंदबाज विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये। इस मैच में टीम की बल्लेबाजी भी खराब रही और वह लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 100 रन ही बना पायी। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने पावरप्ले में 3 विकेट लिए, पर तिलक वर्मा के शतक से मुंबई ने 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बना लिया।

मैच के बाद गिल ने कहा कि हमारी टीम मुम्बई के बल्लेबाजों को रोक नहीं पायी। पिच थोड़ी धीमी थी जिस पर हमने काफी रन लुटा दिये पर इसके बाद भी

हमें इस मैच से काफी कुछ सीखने को मिला है। साथ ही कहा कि यह हार टीम के लिए एक सबक है। सभी को समझना होगा कि एक गलती उन्हें पीछे कर सकती है विशेषकर जब वे घरेल मैदान की जगह पर अन्य स्थलों पर उतरेंगे तब उन्हें सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, अब हमारे पास बाहर के कुछ मैच हैं, उम्मीद है कि हम फिर से जीत की राह पर लौटेंगे। मुझे लगता है कि विकेट थोड़ा धीमा था। हम सही क्षेत्र में गेंदबाजी नहीं कर पाए। हमें मध्य के ओवरों में लगातार उसी लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, जो हम नहीं कर पाए। वहीं टीम बल्लेबाजी में भी असफल रही जबकि दूसरी पारी में ओस के कारण बल्लेबाजी थोड़ी आसान हो गई थी। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने गुजरात को 99 रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने पांच विकेट पर 199 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टीम 100 रन ही बना पायी। इस मैच में जीत के साथ ही मुम्बई की पिछले चार मैचों से हार का सिलसिला जरुर थम गया है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दे सकती है बीसीसीआई

मुम्बई (ए.)। अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से होने एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई आईपीएल खेल रहे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दे सकती है। विशेषकर उन टीमों के खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा जिनकी टीम प्लेऑफ में पहुंचेंगी। ऐसे में इनकी जगह पर घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवा खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयन समिति इस बात पर नजर रखे हुए है कि कौन-से खिलाड़ी आईपीएल में कितने मैच खेल रहे हैं और उनकी टीम प्लेऑफ तक पहुंचती है या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता खिलाड़ियों की फिटनेस और काम के बोझ को ध्यान में रखते हुए टीम का चयन करेंगे। खासकर शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया जाना तय है। अगर उनकी आईपीएल टीम जैसे गुजरात टाइटंस या मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में पहुंचती हैं, तो इन खिलाड़ियों का टेस्ट खेलना कठिन हो सकता है।ये टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) से नहीं जुड़ा है। ऐसे में टीम प्रबंधन किसी प्रकार का जोखिम नहीं चाहता। जहां बुमराह को आराम दिया जान तय है। वहीं कप्तान शुभमन स्वयं इस मैच से बाहर हो सकते हैं।

खेल समाचार

अमेरिका-ईरान जंग में करीब 3,375 लोगों की मौत.....2,875 पुरुष और 496 महिलाएं

मृतकों में 18 वर्ष या उससे कम आयु के 383 बच्चे भी

तेहरान (ए.)। ईरान और अमेरिका के बीच 28 फरवरी को शुरु हुई जंग के बाद अमेरिकी हमलों की वजह से ईरान में करीब 3,375 लोगों की मौत हो गई है। यह आंकड़ा ईरान के विधिक चिकित्सा संगठन के प्रमुख अब्बास मस्जेदी की ओर से दिया गया। मीडिया रिपोर्ट में मस्जेदी के हवाले से बताया कि मारे गए लोगों में से केवल चार की पहचान नहीं हुई है।

उन्होंने यह ब्यौरा नहीं दिया कि हताहतों में कितने आम नागरिक हैं और कितने सुरक्षा बल के जवान हैं, केवल इतना बताया कि मारे गए लोगों में 2,875 पुरुष और 496 महिलाएं शामिल हैं। मस्जेदी ने कहा कि मृतकों में 18 वर्ष या उससे कम आयु के 383 बच्चे भी हैं। इन आंकड़ों से ये सवाल उठ रहे हैं कि इसमें सुरक्षा बलों के सदस्य शामिल हैं या नहीं, खासकर तब जब देश में सैन्य ठिकानों और हथियार भंडारों पर हमले तेज होने की खबरें सामने आई हैं।

चर्चा है कि पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका में दूसरे चरण की वार्ता शुरू होगी। इस वार्ता के लिए अमेरिका पूरी तरह से तैयार दिख रहा है। वहीं ईरान ने बातचीत से इंकार किया है। इसकी मुख्य वजह मुख्य कारण ईरानी बंदरगाहों पर जारी अमेरिकी नाकेबंदी बताया गया है। इस बीच, अमेरिकी सेना ने एक ईरानी मालवाहक जहाज को जब्त किया, जिससे पश्चिम एशिया में नाजुक दौर से गुजर रही शांति पर और अनिश्चितता व्याप्त हो गई है। ईरान ने पुष्टि की कि अमेरिकी नौसेना ने ओमान की खाड़ी में ईरानी जहाज टौस्का को हमला कर जब्त किया, इस घटना को युद्धविराम का उल्लंघन बताकर जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी। ईरान के खत्म उल-अंबिया मुख्यालय ने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई ईरानी वाणिज्यिक जहाजों पर हमला है और सशस्त्र समुद्री डकैती करार दिया। ईरानी मीडिया के अनुसार, इस घटना के बाद ईरान ने अमेरिकी युद्धपोतों पर ड्रोन हमले भी किए, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

अमेरिका और ईरान की पाकिस्तान में होगी वार्ता, दोनों देशों का तैयारी प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंचा

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता की संभावना बढ़ गई है। खबर आ रही है कि दोनों देशों का तैयारी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान पहुंच गया है।सूत्रों ने पाकिस्तानी राजनयिक सूत्र के हवाले से बताया कि शांति वार्ता से पहले अमेरिका-ईरान का तैयारी प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच चुका है। बातचीत संभवत: बुधवार को होगी। इससे पहले सूत्रों ने दो वरिष्ठ ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया था कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को इस्लामाबाद जाने की योजना बना रहा है।इससे पहले ईरानी देश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने सोमवार को कहा था कि शांति वार्ता को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। हालांकि, अब खबर आ रही है कि ईरान बातचीत करेगा। ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया जा रहा है कि अगर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस बातचीत में उपस्थित होते हैं तो ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ भी उपस्थित रहेंगे। बता दें कि गलिबफ ईरान की ओर से शीर्ष वार्ताकार हैं।

पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद रखने की अवधि बढ़ाई

-24 मई तक जारी रहेंगी पाबंदियां

इस्लामाबाद,(ए.)। पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपने एयरस्पेस को 24 मई तक बंद रखने का निर्णय लिया है। इस फैसले के साथ ही दोनों देशों के बीच हवाई यातायात पर लगी पाबंदियां एक साल से अधिक समय तक जारी रहने वाली हैं।

यह प्रतिबंध पिछले वर्ष पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद लगाया गया था। 22 अप्रैल को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया था। घटना के बाद 24 अप्रैल 2025 से पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। इसके जवाब में भारत ने भी 30 अप्रैल 2025 से पाकिस्तानी विमानों के लिए अपने एयरस्पेस के उपयोग पर रोक लगा दी थी। तब से दोनों देशों के बीच यह प्रतिबंध लगातार जारी है।

हवाई क्षेत्र बंद होने का सीधा असर अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ रहा है। एयरलाइंस को लंबा रूट अपनाना पड़ रहा है, जिससे यात्रा का समय बढ़ने के साथ-साथ परिचालन लागत भी अधिक हो रही है। यात्रियों को भी टिकट की कीमतों में बढ़ोतरी और लंबी उड़ानों का सामना करना पड़ रहा है।

जर्मनी के गुरुद्वारे में हिंसक झड़प में 11 लोग घायल, कृपाण चले और गोलीबारी भी हुई

बर्लिन,(आरएनएस)। जर्मनी के मोर्स शहर से एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें एक गुरुद्वारा लड़ाई का मैदान बना दिख रहा है। डुइसबर्ग क्षेत्र में स्थित गुरुद्वारे में 2 समूहों के बीच झगड़ा होने के बाद इसने हिंसक रूप ले लिया और लोगों ने कृपाण निकाल लीं। घटना में कम से कम 11 लोग घायल हुए हैं। झड़प के दौरान चाकूबाजी, गोलीबारी और मिर्च स्प्रे करने की खबरें भी सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, गुरुद्वारा की नई प्रबंधन समिति के चुनाव में असहमति और गुरुद्वारे के कोष (संपत्ति) पर नियंत्रण को लेकर दो समूहों में झगड़ा हुआ था। गुरुद्वारे के कोष के प्रबंधन को लेकर पूर्व और वर्तमान बोर्ड सदस्यों के बीच मतभेद थे। इस बीच, प्रार्थना शुरू होने से पहले एक समूह ने दूसरे समूह पर मिर्च स्प्रे कर दिया, जिससे झगड़ा बढ़ गया। विवाद में 40 लोग शामिल थे। अधिकतर लोगों के सिर पर चोट आई है।

घटना के बाद, पुलिस ने कम से कम एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। जांच अधिकारी मामले में अन्य दोषियों की पहचान करने में जुटे हैं। झगड़े में इस्तेमाल किया गया हथियार अभी तक बरामद नहीं हुआ है। हालांकि, घटनास्थल पर खाली कारतूस मिले हैं। पुलिस का कहना है कि यह खाली कारतूसों वाली पिस्तौल हो सकती है, जिसका गुरुद्वारे में उपयोग किया गया है। फिलहाल इलाके में पुलिस बल तैनात है। हेलीकॉप्टर दिन-भर गुरुद्वारे के ऊपर मंडराते रहे।

ईरान ने अमेरिका से कहा- धमकियों के साये में बातचीत स्वीकार नहीं

तेहरान, (आरएनएस)। अमेरिका के साथ हो रही शांति वार्ता में ईरान के शीर्ष वार्ताकारों में शामिल ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने एक बार फिर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर दबाव डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखकर साफतौर पर कहा कि अगर बातचीत धमकी के साये में की जाएगी तो इसे कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने लिखा कि ट्रंप घेराबंदी और युद्धविराम का उल्लंघन करके फिर से युद्ध भड़काने को सही ठहराना चाहते हैं।

गलिबफ ने एक्स पर लिखा, ट्रंप, घेराबंदी करके और संघर्ष-विराम का उल्लंघन करके—अपनी ही कल्पना में—इस बातचीत की मेज को समर्पण की मेज में बदलना चाहते हैं, या फिर से युद्ध भड़काने को सही ठहराना चाहते हैं। हम धमकियों के साए में बातचीत स्वीकार नहीं करते। गलिबफ ने आगे लिखा कि ईरान ने पिछले 2 हफ्ते के युद्धविराम में युद्ध के मैदान में अपने नए दांव खेलने की तैयारी कर ली है।

सूत्रों ने अंदरूनी सूत्रों के हवाले से बताया कि ईरान पाकिस्तान में प्रस्तावित शांति वार्ता में भाग लेने पर विचार कर रहा है, हालांकि अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने बताया कि तेहरान अपनी भागीदारी की सकारात्मक रूप से समीक्षा कर रहा है, जो दिखाता है कि ईरान ने बढ़ते तनाव के बीच बातचीत से इनकार करने वाले अपने पहले के रुख में बदलाव किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 8 अप्रैल को 2 हफ्ते के युद्धविराम की घोषणा की थी, जो 22 अप्रैल को समाप्त हो रहा है। इसकी समयसीमा पूर्वी समय के अनुसार बुधवार रात 8 बजे, जो ईरान में गुरुवार सुबह साढ़े 3 बजे है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका द्वारा युद्धविराम का लगातार उल्लंघन और नाकाबंदी कूटनीति के लिए एक बड़ी बाधा है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने भी ट्रंप से नाकाबंदी पर विचार को कहा है।

इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू होंगे गिरफ्तार!, हंगरी के नए PM ने किया बड़ा ऐलान; जानें क्या है वजह

हंगरी (ए)। हंगरी के नव निर्वाचित प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार ने अपने इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को हिरासत में लेने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा है कि ICC यानी इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट में वॉन्टेड किसी भी नेता को हंगरी आने पर पकड़ लिया जाएगा। खास बात है कि मैग्यार ने हाल ही में नेतन्याहू को हंगरी आने का न्योता भी दिया था।हंगरी के प्रधानमंत्री ने कहा, आईसीसी (ICC) की ओर से वांटेड कोई भी व्यक्ति/नेता हमारे देश की सीमा में प्रवेश करता है, तो उसे हिरासत में लिया जाएगा। उन्होंने खास तौर पर इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का नाम लेते हुए कहा कि यह नियम उन पर भी लागू होगा। यह रुख हंगरी के पूर्व PM ओर्बन की नीति से अलग है। ऑर्बान ने पहले ICC के वारंट को मानने से इनकार कर दिया था और 2025 में नेतन्याहू की यात्रा के दौरान हंगरी को ICC से बाहर निकालने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। लेकिन यूरोप समर्थक नेता मैग्यार ने कहा कि उनकी सरकार इस प्रक्रिया को रोक सकती है, जिससे हंगरी ICC का सदस्य बना रहेगा और उसके नियमों का पालन करेगा। मैग्यार ने कहा कि ICC के सदस्य देशों पर यह जिम्मेदारी होती है कि वे वांछित व्यक्ति को हिरासत में लें। इस बयान के बाद नेतन्याहू की हंगरी यात्रा पर सवाल खड़े हो गए हैं। उन्हें 1956 की हंगरी क्रांति की 70वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम में 23 अक्टूबर को

बुलाया गया था, नेतन्याहू ने आने की सहमति भी दे दी थी। लेकिन अब गिरफ्तारी की चेतावनी के कारण उनका दौरा रद्द हो सकता है। इससे इजराइल और हंगरी के रिश्तों में तनाव आ सकता है, क्योंकि हंगरी यूरोप में इजराइल का करीबी माना जाता है।

नेतन्याहू पर क्या आरोप हैं?

दरअसल, ICC ने नवंबर 2024 में नेतन्याहू और इजराइल के पूर्व रक्षा मंत्री योव गैलैंट के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया था। ये वारंट गाजा वॉर के दौरान कथित युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराधों से जुड़े हैं। यह मामला 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद शुरू हुई इजराइली सैन्य कार्रवाई से जुड़ा है।

ICC का आरोप है कि युद्ध के दौरान भूख को हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया. दोनों नेताओं पर क्रिमिनल केस दर्ज है। हालांकि, इजराइल इन आरोपों को गलत बताता है और कहता है कि उसने अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन किया।

ICC वारंट पर कई देशों में मतभेद

दुनिया के देशों में इस मुद्दे पर मतभेद हैं. बेल्जियम, कनाडा और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश ICC के आदेश को मानने की बात कर चुके हैं. वहीं अर्जेंटीना और पोलैंड जैसे देश इसे लागू नहीं करना चाहते। फ्रांस और इटली का कहना है कि गैर-सदस्य देशों के नेताओं को कुछ छूट मिलती है, जिसका आधार ICC का आर्टिकल 98 है।यानी नेतन्याहू की गिरफ्तारी का फैसला हर देश अपने कानून और राजनीति के हिसाब से

सूदखोरों से पीड़ित महिला ने कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में लगाई सांकेतिक फांसी

सीहोर (निप्र)। कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में पहुंचकर मंगलवार को सूदखोरों से पीड़ित महिला ने सांकेतिक फांसी लगा ली। महिला का कहना था कि कोतवाली पुलिस को सूदखोरों के विरुद्ध पुख्ता सबूत उपलब्ध कराए हैं । सूदखोरों ने पति को जहर खाने के लिए मजबूर कर दिया लेकिन पुलिस ने अब तक सुदखोर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया। आरोपियों के द्वारा लगातार जान से मारने की धमकी दी जा रही है और मदद करने वाले लोगों को भी धमकाया जा रहा है। या तो पुलिस प्रशासन कार्यवाही करें या फिर मुझे भी फांसी पर लटका दे। गंगा आश्रम सीहोर निवासी ज्योति बेस पत्नी रुद्र प्रताप ने कलेक्ट्रेट मुख्य द्वार के सामने आम के पेड़ पर रस्सी का फंदा डालकर सांकेतिक फांसी लगाने की कोशिश की। कलेक्ट्रेट के सुरक्षाकर्मी ने महिला को ऐसा करने से रोका और जनसुनवाई सभागार कलेक्ट्रेट में लेकर पहुंचे। यहां पर तहसीलदार अमित सिंह ने सांकेतिक फांसी लगाने वाली ज्योति को सीएसपी अभिनंदना शर्मा से मिलने के लिए कहा। मीडिया कर्मियों से चर्चा करते हुए ज्योति बेस ने कहा कि फॉरेस्ट कॉलोनी के रहने वाले सूदखोरों ने मेरे पति रुद्र प्रताप को अपने जल में बुरी तरह फंसा लिया था। सूदखोर होने दूसरे ढाई रुपए प्रतिशत पर ब्याज पर पैसा दे रहे थे अचानक 10 से 20 प्रतिशत ब्याज लेना शुरू कर दिया। अब तक 10 लख रुपए के स्थान पर 60 लाख अदा कर चुके हैं। पति ने ब्याजखोरो से परेशान होकर सुसाइड नोट लिखकर कीटनाशक जहर भी खा लिया था भोपाल स्थित अस्पताल में भर्ती है और जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। पीड़ित ज्योति ने बताया कि सूदखोरों को ब्याज के पैसे देने के चक्कर में मेरा मकान बिक गया है पूरे गहने बिक चुके हैं। किराए के मकान में रह रहे हैं बच्चों की पढ़ाई भी बंद हो गई है। कलेक्टर एसपी एसडीएम तहसीलदार सीएसपी कोतवाली टी आई सब को शिकायत कर चुकी हूं लेकिन अब तक सूदखोरों पर कोई भी कार्यवाही नहीं की गई है। जबकि कोतवाली थाना पुलिस को पूरे सबूत भी उपलब्ध करा दिए हैं फिर भी पति अस्पताल में भर्ती हैं और सूदखोर आजाद घूम रहे हैं।

भारतीय मजदूर संघ ने आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर दिया ज्ञापन

सीहोर (निप्र)। भारतीय मजदूर संघ के प्रांतीय आव्हान पर मंगलवार को जिला मुख्यालय पर भारतीय मजदूर संघ ने विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन संयुक्त कलेक्टर विरेन्द्र परमार को सौंपा ज्ञापन में कहा गया है कि भारतीय मजदूर संघ प्रदेश के संगठित एवं असंगठित क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है प्रदेश के विभिन्न विभागों में कार्यरत आऊटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण होना कर्मचारी श्रमिक एवं प्रदेश हित में है। भारतीय मजदूर संघ प्रदेश के विभिन्न विभागों, उद्योगों, संस्थाओं में कार्यरत आऊटसोर्स कर्मचारियों की प्रमुख मांग को अतिशीघ्र निराकरण हेतु निवेदन करता है। ज्ञापन में कहा है कि प्रदेश के आउटसोर्स कर्मचारियों हेतु सरकार स्तर पर ठोस नीति आऊटसोर्स सर्विस सेक्यूरिटी एक्ट, आऊटसोर्स निगम मंडल बनाकर सामाजिक सुरक्षा एवं उचित वेतन सुनिश्चित किया जाए।

सईद खान ने जनसुनवाई में की शिकायत

दरगाह की भूमि पर अवैध रुप से बने शोरुम को शीघ्र हटाया जाये : सईद खान

रसीहोर (निप्र)। भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के पूर्व जिला सहसंयोजक इछावर निवासी सईद खान ने जनसुनवाई में एक आवेदन प्रस्तुत किया। जिसमें बताया गया कि इछावर में स्थित दरगाह की जगह जो कि वक्फबोर्ड की भूमि है, पर कुछ दबंग व्यक्तियों द्वारा कब्जा कर वहाँ पर शोरूम संचालित किया जा रहा है। जबकि जिस जमीन पक्का शोरूम बनाकर व्यापार किया जा रहा है वह भूमि वक्फ बोर्ड म.प्र. की है जिसका कब्जा कोई भी नही कर सकता है। सईद खान ने बताया कि इस सम्बंध में पूर्व से ही वक्फ बोर्ड के कार्य पालक अधिकारी को भी की गई है।

जिन लोगों ने अपने निजी फायदे के लिये जबरिया अतिक्रमण कर शोरुम बनाया गया है जो कि न्यायसंगत नहीं है। सईद खान द्वारा आवेदन के माध्यम से आग्रह किया है कि उचित जाँच कर ईदगाह की भूमि पर बनाये गये शोरुम को तत्तकाल प्रभाव से अतिक्रमण मुक्त करवाया जावे।

सात दिवसीय श्रीराम कथा में उमड़ा आस्था का सैलाब, शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाया

भगवान शिव ने जगत के कल्याण के लिए किया मां पार्वती से विवाह : महंत डॉ. प्रज्ञा भारती

सीहोर (निप्र)। शहर के जयंती कालोनी में श्री हनुमान मंदिर समिति के तत्वाधान में जारी सात दिवसीय श्रीराम कथा के तीसरे दिन कथा व्यास राष्ट्रीय राम कथा व्यास मानस कोकिला महंत डॉ. भारती के द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह प्रसंग का वर्णन सुनकर श्रोता भावविभोर हो उठे। शिव विवाह प्रसंग को इतनी भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया कि पूरा पंडाल हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। मंदिर समिति के तत्वाधान में जारी भव्य श्री 21 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव एवं श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। यहां पर प्रतिदिन सुबह पूर्ण विधि-विधान से साथ श्री-श्री 108 यज्ञ संचालक पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे, समिति अध्यक्ष रुद्रप्रकाश राठौर, यज्ञाचार्य पंडित दीपक शास्त्री और पंडित अनिल शर्मा आदि ।

25 अप्रैल को निकाली जाएगी भव्य श्री लक्ष्मी नारायण शाही सवारी

प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर में राम चरित्र मानस पाठ का शुभारंभ, आज किया जाएगा हवन

सीहोर (निप्र)। हर साल की तरह इस साल भी आगामी 30 अप्रैल को शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर में छह दिवसीय भव्य पंच कुण्डात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए मंदिर परिसर में दोपहर में श्री-श्री 1008 महामंडलेश्वर महंत रामभूषण दास महाराज के निर्देश पर संत माधव दास महाराज के मार्गदर्शन में रामचरित्र मानस पाठ का श्रीगणेश किया गया है। वहीं बुधवार को हवन के साथ समापन किया जाएगा।मंगलवार को मुख्य यजमान श्रीमती नमिता अखिलेश राय, यज्ञाचार्य कुणाल व्यास, प्रभारी सन्नी सरदार, सुनील राय, गणेश यादव, रजत मुंदडा, बाबू बैस आदि ने संत माधव महाराज सहित अन्य के मार्गदर्शन में यज्ञशाला का निरीक्षण किया और उसके पश्चात दोपहर में लगातार 24 घंटे तक आयोजित होने वाली रामचरित्र मानस के पाठ की शुरूआत की, वहीं आगामी 25 अप्रैल को निकाली जाने वाली भव्य श्री लक्ष्मी नारायण शाही सवारी के बारे में तैयारियों को अतिम रूप देते हुए यहां पर उपस्थित महिला मंडलों की बैठक ली गई।संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि यज्ञ से पहले रामचरितमानस का सुख-शांति, क्लेश के नाश और सकारात्मक ऊर्जा के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है। नियमित रूप से रामचरितमानस का पाठ करने से भगवान राम और माता सीता का आशीर्वाद बना रहता है। साथ ही यह भी माना जाता है कि इसकी सहायता से साधक के लिए मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। मान्यताओं के अनुसार, रोजाना घर में रामचरितमानस का पाठ करने से हनुमान जी स्वयं उस घर के लोगों की हर विपदा से रक्षा करते हैं।

नगर पालिका परिषद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में प्रस्ताव पारित

सीहोर (निप्र)। नगर पालिका परिषद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में प्रस्ताव पारित कर महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पालिका की बैठक में सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया गया कि अधिनियम के उद्देश्यों और महत्व को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे अवगत हो सकें। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहाकि महिलाओं को सम्मान के साथ अधिकार मिले इसके लिए प्रस्ताव पारित किया गया है।

बैठक के दौरान पालिका के प्रतिनिधियों ने महिला पार्षदों सहित शहर की सभी महिलाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को राजनीति में अधिक अवसर प्रदान करेगा और शासन-प्रशासन में उनकी भागीदारी को मजबूत बनाएगा। प्रतिनिधियों ने विश्वास जताया कि इस कानून के प्रभावी क्रियान्वयन से महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को नया आयाम मिलेगा और देश के विकास में उनकी भूमिका और सशक्त होगी। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को नगर पालिका परिषद के सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया था। नगर पालिका परिषद सीहोर में नारी शक्ति वंदन के अंतर्गत महत्वपूर्ण प्रस्ताव परिषद से पारित किया गया।

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत रेहटी में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत रेहटी के शासकीय कॉलेज में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बालिकाओं एवं महिलाओं को पोषण एवं मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी गई और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में डॉ. अश्विनी दायमा, डॉ. अपूर्व मगरकर, करम सिंह, सुश्री शिवानी और जैतराम उपस्थित थे।

शिक्षकों को ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य, आदेश का उल्लंघन करने पर रुकेगा वेतन

ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त

सीहोर (निप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सभी शासकीय शिक्षकों को हमारे शिक्षक एप के माध्यम से अनिवार्य रूप से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए गए है। जिला शिक्षा अधिकारी संजय सिंह तोमर द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने में सीहोर जिले की स्थिति संतोषजनक नही होने पर जिले में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों एवं विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयकों को नोडल अधिकारी और संकुल प्राचार्य को सहायक नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया। नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने विकासखंड के सभी शासकीय शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थित दर्ज कराना सुनिश्चित करें और प्रतिदिन की रिपोर्ट भेजें। इसके साथ ही सभी

प्राचार्यों को भी निर्देशित किया गया है कि वे स्कूल में कार्यरत सभी शिक्षकों की उपस्थिति एवं अवकाश संबंधी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कराएं। आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधितों का वेतन रोकने की कार्यवाही की जाएगी।

उपभोक्ता संरक्षण परिषद् के जिलाध्यक्ष बने माखन सिंह सोलंकी

सीहोर। उपरोभोक्ता संरक्षण परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव बंशकार की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष मुकेश बंसल द्वारा माखन सिंह सोलंकी को परिषद् का सीहोर जिलाध्यक्ष मनोनित किया गया है। साथ ही आशा व्यक्त की है कि उपभोक्ता आन्दोलन को जन-जन तक पहुंचाने एवं राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता लाने, कम्पनीयों / प्रतिष्ठानों में व्याप्त काला बाजारी, भ्रष्टाचारी व अनियमित्ताओं को उजागर करने तथा सरकार के साथ समन्वय कर, उन्हें समाप्त करने, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रभावी क्रियानवयन करने उपभोक्ताओं का हित संवर्धन करने व राष्ट्र का गौरव बड़ाने के लिये, गठित प्रा. उपभोक्ता संरक्षण परिषद् (भारत सरकार से मान्यता प्राप्त) में परिषद के संविधान की धारा 12 एवं धारा 14 (1) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग उपभोक्ताओं के हित में कार्य करेगें और सभी संचालित कल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी को समय-समय पर अवगत कराते रहेंगे।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर शिविर लगाकर किया गया 936 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं अनेक स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। इसी क्रम में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत जिले में 21 अप्रैल को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 666 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 270 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 136 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन में सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में सीहोर जिला प्रदेश में तीसरे स्थान पर

सीएम हेल्पलाइन की 6057 शिकायतों का 84.13 वेटेज स्कोर तथा ए ग्रेड श्रेणी के साथ किया गया निराकरण

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के कुशल मार्गदर्शन एवं जिले के अधिकारियों के गंभीर प्रयासों का नतीजा है कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में सीहोर जिला प्रदेश में तीसरे पायदान पर आ गया है। सीएम हेल्पलाइन की 20 अप्रैल 2026 को जारी प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में सीहोर जिला ग्रुप-ए में तीसरे नम्बर पर आया है। सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग के अनुसार सीहोर जिले में माह मार्च में कुल 6057 शिकायतों का 84.13 वेटेज स्कोर तथा ए ग्रेड श्रेणी के साथ निराकरण किया गया। जबकि सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में रायसेन प्रथम स्थान पर तथा गुना दूसरे स्थान पर रहा। कलेक्टर बालागुरू के. ने बताया कि समय समय पर शिकायत के निराकरण के पश्चात शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लिया जाता है। कलेक्टर बालागुरू के. ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में प्रदेश में तीसरे स्थान पर आने पर जिले के सभी अधिकारियों सहित जिले की पूरी टीम को बधाई दी है और अगली बार प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि सभी शासकीय सेवकों का हमेशा यह प्रयास होना चाहिए कि लोगों की शिकायतों और समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण कर उन्हें राहत दी जाए। कलेक्टर बालागुरू के. द्वारा सभी अधिकारियों को यह निर्देश दिए गए हैं कि सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों व समस्याओं का केवल निराकरण ही नही करना है, बल्कि निराकरण संतुष्टिपूर्ण हो, इसका हमेशा प्रयास किया जाए। इसके लिए जरूरी है समस्या के निराकरण होने तक शिकायतकर्ता से सतत संपर्क एवं संवाद बनाए रखा जाए।

शिकायतों के निराकरण की नियमित विस्तृत समीक्षा

कलेक्टर बालागुरू के. द्वारा सभी विभागों की सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के त्वरित और संतुष्टिपूर्ण निराकरण की प्रतिदिन नियमित रूप से गहन समीक्षा की जाती है। इसके साथ ही प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाली समय सीमा बैठक में भी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की गहन समीक्षा की जाती है। जिला स्तर पर समीक्षा के साथ ही अनुभाग और जनपद स्तर पर भी समीक्षा की जाती है तथा संबंधित विभागों के जिला अधिकारी भी इसकी नियमित समीक्षा और निराकरण के लिए कार्य करते हैं। सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों और ग्रामीण अमले द्वारा शिकायतकर्ता से सतत संवाद कायम रखा जाता है। यदि शिकायतों और समस्याओं के निराकरण में कठिनाई आती है तो शिकायतकर्ता से उनके घर जाकर सम्पर्क किया जाता है और उन्हें उस शिकायत के संबंध में वस्तुस्थिति से अवगत कराया जाता है।

सीवन का होगा पूर्ण उद्धार : नपाध्यक्ष

सीवन पुत्र एवं पुत्री समिति को 25 हजार देने की घोषणा की

सीहोर (निप्र)। 19वें दिवस पर वृद्ध जनों का जब स्वागत नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा किया गया तो माँ सीवन को लेकर उनकी आंखें नम हो गई।सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया कि मैं पुत्र सीवन का, मैं पुत्री सीवन की अभियान के तहत आज 19 वें दिवस नगर पालिका अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर एवं नगर पालिका के अधिकारीगण हनुमान पाठक धाम, कस्बा सीहोर में पहुंचे जहां पर सीवन पुत्र तथा सीवन योद्धा लगातार जलकुंभी को सीवन से बाहर निकलने का काम कर रहे थे, जिससे दो जलाशयों का निर्माण हुआ है, जिसके कारण लाखों पशु-पक्षी, जीव-जंतु इस भीषण गर्मी में अपनी प्यास बुझा रहे हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने सीवन को लेकर अपनी योजना के बारे में अवगत करवाया उन्होंने सीवन के सौंदर्य करण व विकास के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह को लिखा हुआ पत्र भी पढकर सुनवाया। जिसमें 30 करोड रुपए सीवन उद्धार के लिए एवं 20 करोड़ राशि संपूर्ण सीहोर के विकास के लिए स्वीकृत करवाने लिए लिखा है।

उन्होंने विश्वास दिलाया कि मैं सीवन पुत्र, सीवन पुत्री एवं सीवन योद्धाओं के साथ खड़ा हूं जब तक की सीवन का पूर्ण उद्धार, सीवन मूल स्वरूप में नहीं आ जाती है। उन्होंने यह भी बताया है कि सीवन कोई नदी नहीं है बल्कि सबकी आस्था का एक केंद्र है जहां पर विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु अपनी आस्था को लेकर आते हैं सीवन के प्रति, उन्होंने बताया कि सीवन की छवि स्थापित करने का कर्तव्य हमारा है। इस अवसर पर सीवन नदी की सफाई में लगे राजकुमार सोनी (भूरा भैया) का सम्मान किया गया। साथ ही जल की व्यवस्था में लगे चंद्रशेखर राजपूत को मेडल, माला व गमछा पहनाकर स्वागत किया गया ।सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया कि इस अभियान का आज 19 वा दिवस था और लगातार सीवन पुत्र और सीवन योद्धा जलकुंभी निकालने का काम कर रहे हैं और एक ही उद्देश्य को लेकर काम कर रहे हैं कि 2026 के अंत तक सीवन का पूर्ण उद्धार हो।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 47 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ.-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, एसडीएम तन्मय वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com